सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 23 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 06 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

आकांक्षा सत्यवंशी को 10 लाख रुपए की सम्मान राशि देगी छत्तीसगढ़ सरकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आईसीसी महिला विश्वकप में भारतीय महिला टीम की फिजियो के रूप में छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले की रहने वाली आकांक्षा सत्यवंशी ने काम किया। उन्होंने हर कदम पर भारतीय महिला टीम की हेल्थ का ध्यान रखा। महिला टीम ने भी इतिहास रचा और विश्व चैंपियन बनी। आकांक्षा के इस कार्य की सराहना करते हुए अब छत्तीसगढ़ सरकार ने आकांक्षा को 10 लाख रुपए सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घोषणा करते हुए सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक रोचक पोस्ट भी किया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक विश्व कप विजय पर देशवासियों को बधाई और शुभ कामनाएँ देते हुए कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह अभूतपूर्व उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है, जिसने विश्व पटल पर देश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आकांक्षा सत्यवंशी ने अपने समर्पण, सेवा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह सिद्ध किया है कि छत्तीसगढ़ की बेटियाँ किसी भी क्षेत्र में देश का गौरव बन सकती हैं। उनके उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करते हुए राज्य सरकार द्वारा 10 लाख रुपए की सम्मान राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

आकांक्षा ने विश्व स्तर पर बढ़ाया प्रदेश का गौरव : सीएम साय

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस गौरवपूर्ण सफलता में छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी ने फिजियोथैरेपिस्ट एवं स्पोर्ट्स साइंस विशेषज्ञ के रूप में खिलाड़ियों की फिटनेस और रिकवरी में अतुलनीय योगदान देकर न केवल भारतीय टीम को सशक्त बनाया है, बल्कि देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर उज्ज्वल किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आकांक्षा सत्यवंशी की यह सफलता छत्तीसगढ़ की सभी बेटियों और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। यह उनकी मेहनत, निष्ठा और संकल्प का परिणाम है, जिसने पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेल के क्षेत्र में नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि छत्तीसगढ़ से और भी ऐसी प्रतिभाएँ निकलें जो देश का नाम विश्व में रोशन करें।

खास-खबर

फर्जी पुलिसकर्मी बनकर घर में घुसे शातिर, लाखों की चोरी कर हुए फरार

भिलाई। दुर्ग के उतई थाना क्षेत्र में पुलिस कर्मी बनकर लाखों रुपये के चोरी की घटना सामने आई है। दरअसल, आरोपी ने पीड़िता के घर पहुंचकर उसे और उसके परिवार वालों को धमकाया कि उनके घर में ड्रग्स और गांजा छुपाकर रखा गया है। इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों को घर से बाहर निकाल दिया और अलमारी में रखे आभूषण चोरी करके फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

उतई थाना क्षेत्र के ग्राम मर्रा में रहने वाली टामिन बंजारे के घर स्कूटी में दो युवक गाड़ी को गली में खड़ा करके पैदल ही उसके घर पहुंचे और बोले कि हम लोग पुलिस वाले हैं। तुम लोग ड्रग्स और गांजा बिक्री का काम करते हुए। तुम लोगों के खिलाफ पाटन थाना में बहुत शिकायत हैं और डराने धमकाने लगे। इसके बाद घर की जांच करने की बात कही। जांच के नाम पर परिवार के सभी लोगों को घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद अपने मोबाइल से वीडियो बनाने लगे। पहले सामने कमरे व पूजा घर में जाकर जांच की। इसके बाद पीछे के कमरे में पहुंच गए जहां अलमारी रखी थी। उसकी चाबी मांगने लगे। जिसका विरोध करने पर महिला पुलिस बुलाने की धमकी देकर डराने-धमकाने लगे। इससे घबराकर चाबी दी। सभी कमरों की जांच के बाद आरोपी चले गए। उनके जाने के बाद सामान चेक किया गया तो अलमारी में रखा सोने का मंगलसूत्र, चांदी की पायल, बिछिया और कान का झुमका एक छोटा पर्स गायब मिला रखा था। घर वालों के जब तक लूट का एहसास हुआ तब तक शातिर वहां से फरार हो चुके थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दोपहर डेढ़ बजे तक 35 फीसदी वोटिंग, 18 जिलों की 121 सीटों पर हो रहा मतदान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज में 18 जिलों की 121 सीटों पर वोटिंग जारी है। शाम 6 बजे तक मतदान होगा। सुबह बजे तक लगभग 35 फीसदी वोटिंग हुई है। इन 121 सीटों में 104 सीटों पर सीधा मुकाबला है, जबकि 17 सीटों पर त्रिकोणीय लड़ाई है। बिहार की 243 सीटों पर 2 फेज में चुनाव हो रहे हैं। 14 नंवबर को नतीजे आएंगे।

आरजेडी ने जानबूझकर स्लो वोटिंग कराने का आरोप लगाया है। एक्स पर पार्टी की ओर से लिखा गया- पहले फेज की वोटिंग के बीच में महागठबंधन के मजबूत बूथों पर धीमा मतदान करने के उद्देश्य से बीच-बीच में बिजली काट दी जा रही है। जानबूझ कर स्लो वोटिंग कराई जा रही है। हालांकि निर्वाचन आयोग ने आरोपों को गलत बताया है। इलेक्शन कमीशन ने पोस्ट के जरिए कहा- सभी सीटों पर प्रोटोकॉल के तहत वोटिंग कराई जा रही है।

एसआईआरः सर्वे के बाद राजधानी में एक लाख वोटर्स के नाम कटेंगे- बृजमोहन

छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों में शुरू हुआ एसआईआर सर्वे, सांसद बृजमोहन से सर्वे को सही ठहराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश भर में मतदाता सूची के सत्यापन के लिए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) सर्वे की प्रक्रिया शुरू हो गई है। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे इस सर्वे में मतदाताओं के नाम, पते और पहचान का मिलान किया जा रहा है। सर्वे के दौरान ऐसे नाम चिह्नित किए जा रहे हैं, जो या तो दोहरी प्रविष्टियों में दर्ज हैं या अब संबंधित क्षेत्र में नहीं रहते हैं। एसआईआर को लेकर रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि जांच पूरी ईमानदारी से होगी तो रायपुर से एक लाख मतदाताओं के नाम हट जाएंगे। ये वो मतदाता है, जो रायपुर छोड़ चुके है या उनकी मौत हो चुकी है।

बता दें बीते दिनों निर्वाचन आयोग ने छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) सर्वे को मंजूरी दी। निर्वाचन आयोग का दावा है कि एसआईआर से मतदाताओं की वास्तविक स्थिति का पता चल सकेगा।

छत्तीसगढ़ में 2.11 करोड़ वोटर्स

छत्तीसगढ़ पंचायत चुनाव में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने 1 जनवरी 2025 की तिथि में प्रदेश में मतदाताओं की कुल संख्या 2 करोड़ 11 लाख 5 हजार 391 बताई थी। इनमें 1 करोड़ 4 लाख 27 हजार 842 पुरुष मतदाता, एक करोड़ 6 लाख 76 हजार 821 महिला मतदाता और 728 तृतीय जेंडर मतदाता शामिल हैं। राज्य में निर्वाचकों का लिंगानुपात 1024 है। इस चरण में 27 हजार 199 बूथ स्तर अधिकारियों को घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी की जांच करने और नए मतदाताओं के आवेदन स्वीकार करने की जिम्मेदारी दी गई है। बीएलओ हर परिवार से गणना प्रपत्र फॉर्म भरवाएंगे। इसमें मतदाता की व्यक्तिगत जानकारी और पात्रता की पुष्टि की जाएगी।

इस बीच एसआईआर पर अलग अलग राजनेताओं के बयान आ रहे हैं। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। वहीं रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल मीडिया से चर्चा के दौरान एसआईआर सर्वे को सही बताया है। उन्होंने कहा कि सर्वे पूरी पारदर्शिता के साथ होनी चाहिए। उन्होंने फर्जी मतदाताओं के नाम काटने की बात कही है।

9 दिसंबर को जारी होगी मसौदा सूची

मसौदा सूची 9 दिसंबर को जारी की जाएगी। इसके बाद 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। यदि किसी नागरिक का नाम सूची में नहीं है या किसी जानकारी में त्रुटि है, तो वह इस अवधि में सुधार के लिए आवेदन कर सकेगा। इन आवेदनों की सुनवाई और सत्यापन प्रक्रिया 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक चलेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। यही सूची आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए आधार बनेगी।

मोदी से मिली वर्ल्ड चैंपियन भारतीय महिला टीम, नमो-1 लिखा जर्सी गिफ्ट की

■ मंधाना बोलीं- पीएम ने हमें मोटिवेट किया, प्रतिका रावल व्हीलचेयर से पहुंचीं

स्पोर्ट्स डेस्क। पहली बार विमेंस वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय महिला टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम ने टीम को जीत के लिए बधाई दी और लगातार 3 हार और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के बावजूद शानदार वापसी की सराहना की।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2017 में पीएम मोदी से हुई मुलाकात को याद किया, जब वे ट्रॉफी के बिना उनसे मिली थीं। इस बार वे ट्रॉफी के साथ उनसे मिली हैं। उन्होंने कहा- हम ट्रॉफी के साथ उनसे बार-बार मिलना चाहेंगे। वहीं, उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा- 'पीएम ने सभी को मोटिवेट किया। वे हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।'

भारतीय टीम के साथ बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और कोच अमोल मजूमदार भी मौजूद रहे। बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल होने वाली प्रतिका रावल व्हीलचेयर पर दिखीं। भारतीय टीम ने 2 नवंबर को डीवाई पाटिल स्टेडियम में साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर विमेंस वर्ल्ड कप जीता था। मोदी को नमो-1 नाम की जर्सी गिफ्ट की टीम की खिलाड़ियों ने पीएममोदी को स्पेशल जर्सी गिफ्ट की, जिसमें सभी खिलाड़ियों ने साइन किए थे। इसमें नमो-1 लिखा हुआ है।

रायपुर में महिला से गैंगरेपः बॉयफ्रेंड से पैचअप करवाने के बहाने लें गए, कोल्डड्रिंक में शराब मिलाकर पिलाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के फार्म हाउस में 25 साल की शादीशुदा महिला से गैंगरेप हो गया है। आरोपी महिला को उसके बॉयफ्रेंड के बर्थडे पार्टी में मिलवाकर पैचअप करवाने के बहाने लेकर गए। फिर उन्होंने कोल्डड्रिंक में शराब मिलाकर महिला को पिला दिया जिससे वह बेसुध हो गई। फिर आरोपियों ने महिला के साथ गैंगरेप किया। यह पूरा मामला धरसींवा थाना क्षेत्र के कुंरा स्थित फार्म हाउस का हैं।

धरसींवा थाना प्रभारी राजेंद्र दीवान ने बताया कि घटना 27 अक्टूबर की है। महिला मूल रूप से महासमुंद जिले की रहने वाली है, वह वर्तमान में रायपुर में निवास कर रही है। महिला का अपने बॉयफ्रेंड के साथ विवाद के बाद ब्रेकअप हो गया था। दोनों आरोपी आशीष जोशी और रुपेंद्र साहू महिला के बॉयफ्रेंड के दोस्त हैं। उन्होंने महिला

को बॉयफ्रेंड से मिलवाने का झांसा दिया। उसे धरसींवा के एक निजी फार्म हाउस पर शाम के वक्त लेकर गए। वहां मौजूद केयरटेकर से फार्महाउस ले लिया।

पुलिस से मिली जानकारी से मुताबिक, महिला शादीशुदा है उसके दो बच्चे हैं। वर्तमान में वह अपने परिवार के साथ रायपुर में रहती है। वहीं आरोपी आशीष जोशी श्याम नगर तेलीबांधा का रहने वाला है। वह मेडिकल दुकान में काम करता है। कहीं दूसरा आरोपी रूपेंद्र साहू कपसदा गांव धरसींवा थाना क्षेत्र का रहने वाला हैं। फिलहाल पुलिस ने एक आरोपी आशीष जोशी को गिरफ्तार कर लिया है। वही दूसरा आरोपी रूपेंद्र साहू फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही हैं। रुपेंद्र किराया भंडार चलाता है।

रेप के बाद महिला को वापस घर छोड़कर गए आरोपी

आरोपियों ने महिला को कोल्डड्रिंक में शराब मिलाकर पिलाई। जिससे महिला बेसुध हो गई। फिर आरोपी ने उसके साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद महिला को आरोपियों में धमकी दी कहा कि इस घटना के बारे में किसी को बताएगी तो उसे जान से मार देंगे। महिला डर गई। फिर आरोपियों ने वापस महिला को उसके घर पर छोड़ दिया। घटना के करीब हफ्तेभर बाद महिला ने हिम्मत जुटाकर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

बिहार में दूसरे चरण के लिए विधायक रिकेश सेन को औरंगाबाद विधानसभा में प्रचार की मिली जवाबदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में गरखा और अमनौर विधानसभा में प्रवेशी प्रभारी की जिम्मेदारी निभा कर भिलाई लौटे विधायक वैशाली नगर रिकेश सेन को भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने औरंगाबाद विधानसभा की अहम जिम्मेदारी सौंपी है। श्री सेन गुरुवार की शाम नियमित विमान से बिहार के लिए रवाना होंगे।

आपको बता दें कि विधानसभा क्रमांक 223 दक्षिणी बिहार में स्थित औरंगाबाद एक समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को संजोए हुए है। यह प्राचीन मगध साम्राज्य का हिस्सा था और यहां बिंबिसार, अजातशत्रु, चंद्रगुप्त मौर्य और सम्राट अशोक जैसे महान शासकों का शासन रहा है। वर्ष 2020 के चुनाव में इस

विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी को लगभग 2200 मतों से पराजित होना पड़ा था।

आजादी के बाद हुए 17 विधानसभा चुनावों में से 16 बार यहां राजपूत जाति का ही विधायक चुना गया। सिर्फ एक बार 2000 में आरजेडी के टिकट पर गैर-राजपूत उम्मीदवार सुरेश मेहता को जीत मिली थी। बीजेपी के रामाधर सिंह 4 बार औरंगाबाद का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के आनंद शंकर सिंह ने रामाधर सिंह को करीबी मुकाबले में हराया था, जबकि बसपा से लड़े अनिल कुमार 18 हजार वोट पाकर तीसरे नंबर पर रहे थे। राजपूत बाहुल्य होने के चलते औरंगाबाद विधानसभा सीट पर सवर्ण वोटर निर्णायक भूमिका में रहते हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने इस बार त्रिविक्रम नारायण सिंह को औरंगाबाद से प्रत्याशी बनाया है। जबकि कांग्रेस से आनंद शंकर सिंह, बसपा से शक्ति कुमार मिश्रा, जनसुराज पार्टी से नंदकिशोर यादव सहित कुल 15 प्रत्याशी मैदान में हैं। एक दिन के लिए भिलाई लौटे विधायक रिकेश सेन आज शाम पुनः केंद्रीय संगठन से मिले दायित्व के निर्वहन में बिहार रवाना होंगे।

आर्टिफिशियल तो आर्टिफिशियल ही होता है जी

श्रीकंचनपथ

इस बात को लोगों को समझने की जरूरत है कि कृत्रिम तो कृत्रिम ही होता है। वह कितना भी इंटेलीजेंट क्यों न हो, वह चीजों को पर्सनलाइज नहीं कर सकता। आप किस मुद्दे पर क्या और क्यों पूछ रहे हैं, पूछने का उद्देश्य क्या है, इसे समझने मंक वह गलती कर सकता है। यदि आपसे सर्च की-वर्ड्स में कोई गलती हो गई है तो इसमें उसकी कोई गलती भी नहीं है। यही कारण है कि अब जरूरी मुद्दों पर नई पीढ़ी का सबसे बड़ा दोस्त चैट-जीपीटी कोई सलाह नहीं देगा। 29 अक्टूबर 2025 से चैट-जीपीटी ने यह बड़ा परिवर्तन कर लिया है। अब वह चिकित्सा, फाइनेंस और लीगल मुद्दों से जुड़ी सलाह नहीं देगा। चिकित्सा में मिली गलत सलाह आपको मार सकती है। गलत वित्तीय सलाह आपको डुबो सकती है तो कानूनी मुद्दों से जुड़ी गलत या भ्रमित करने वाली सलाह आपका बेड़ा गर्क कर सकती है। इन मामलों में अब चैट-जीपीटी भी वही करेगा जो प्रिंट मीडिया लंबे समय से करती आ रही है। वह ऐसे मुद्दों पर सलाह-मशविरा छापती तो है पर साथ ही एक डिस्क्लेमर चिपका होता है यह जानकारी केवल सामान्य ज्ञान के लिए है। यह चिकित्सक, कानूनी या वित्तीय सलाहकार की जगह नहीं ले सकता। इसलिए यदि आप बीमार हैं तो डाक्टर के पास जाएं, वित्तीय संकट है तो वित्तीय सलाहकार से मिलें और अगर कोई कानूनी अड़चन है तो योग्य वकील से मिलें। अर्थात नए नियमों के बाद चैट-जीपीटी भी यूजर्स को दवाओं के नाम, उनकी मात्रा, मुकदमे की टेंपलेट, कानूनी रणनीति और निवेश से जुड़ी सलाह नहीं देगा। अब यह केवल जनरल प्रिंसिपल, बेसिक मैकेनिज्म की जानकारी और लोगों को डॉक्टर, वकीलों और वित्तीय सलाहकारों जैसे प्रोफेशनल्स से परामर्श करने की सलाह देगा। दरअसल, पिछले एक दशक में लोगों की निर्भरता इंटरनेट सर्च इंजिनों पर तेजी से बढ़ी है। अब वह कोई भी सलाह किसी मनुष्य से नहीं लेना चाहता। उसे किसी के अनुभव का फायदा भी नहीं चाहिए। कहीं जाना है तो उसकी दूरी, रूट, मौसम ठहरने-खाने की जगह, सबकुछ वह इंटरनेट से पूछ लेता है। मजबूरी में डाक्टर के पास जाता तो है पर उसकी लिखी हुई प्रत्येक दवा के बारे में पहले इंटरनेट से पूछता है। डाक्टर ने कौन से बीमारी बताई है, इसके बारे में भी वह इंटरनेट पर अपनी जानकारी बढ़ाने की कोशिश करता है। टेस्ट रिपोर्ट्स का हाल तो और भी बुरा है। यहां जांच के नतीजों के साथ ही एक रेफ्रल वैल्यू भी छपा रहता है। लोग उसी से मिला-मिला कर देख लेते हैं कि क्या कम है और क्या ज्यादा है। उसके बाद शुरू हो जाती है डाक्टर के साथ डाक्टरी की लुका-छिपी। वित्तीय सलाह की तो बात ही छोड़ दीजिए। रोजाना बड़े-बड़े लोगों के ठगे जाने की खबरें आती रहती हैं। चैट-जीपीटी के बाद तो लोग वकीलों को भी कानून पढ़ाने लगे थे। जब रायता ज्यादा फैला तो कड़े कदम उठाने पड़े।

संपादकीय

बिना छात्र का स्कूल

शिक्षा व शिक्षण की गुणवत्ता पर सवाल

निस्संदेह, शिक्षा मंत्रालय की वह रिपोर्ट परेशान करने वाली है, जिसमें बताया गया है कि बीते शिक्षा सत्र में देश के आठ हजार सरकारी स्कूलों में किसी बच्चे ने दाखिला नहीं लिया। लेकिन विडंबना यह है कि इन स्कूलों में बीस हजार शिक्षक तैनात हैं। वहीं देश में हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी कक्षाएं चल रही हैं। वैसे केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार तीस विद्यार्थियों पर एक शिक्षक अनिवार्य रूप से होना चाहिए, लेकिन इसकी अनदेखी करके हर जगह विसंगतियां नजर आती हैं। यही वजह है कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में आठ हजार स्कूलों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि बिना दाखिले वाले स्कूलों की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल में है। यह संख्या 3,812 है, जो बेहद चौंकाने वाली बात है। स्थिति का दूसरा परेशान करने वाला तथ्य यह है कि इसी राज्य के बिना दाखिले वाले स्कूलों में बाकायदा करीब अठारह हजार शिक्षक तैनात हैं। कमोबेश तेलंगाना की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां 2,245 स्कूल जीरो एडमिशन वाले हैं तथा एक हजार से ज्यादा शिक्षक यहां तैनात हैं। वैसे चौंकाने वाली बात यह है कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में इस बार के मुकाबले पांच हजार स्कूल अधिक ऐसे थे, जहां कोई विद्यार्थी दाखिल नहीं हुआ था। एक विसंगति यह भी है कि स्कूली शिक्षा राज्य सरकारों के अधीन होती है, अत: केंद्र सरकार का दखल इसमें नहीं होता। लेकिन राज्य सरकार व शिक्षा विभाग की नीतियों पर सवाल तो उठता ही है। इसके बावजूद केंद्रीय शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे शून्य दाखिले की परंपरा रोकने के लिये यथासंभव प्रयास करते रहें।

> **वहीं भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश, जिसका स्थान इस सूची में तीसरा है, वहां 463 स्कूलों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। बाकायदा 223 शिक्षक इन जीरो एडमिशन वाले स्कूलों में तैनात हैं।**

बहरहाल, यहां एक सवाल यह भी है कि बिना दाखिले वाले स्कूलों के शिक्षक छात्रों को स्कूल में लाने के व्यक्तिगत प्रयास क्यों नहीं करते? वैसे कुछ राज्यों के शिक्षा विभाग ने इस दिशा में कुछ कदम भी उठाए हैं। जहां शिक्षा विभाग ने स्कूलों में छात्रों की कम संख्या को देखते हुए उनका समायोजन अधिक छात्र संख्या वाले स्कूलों में करके संतुलन साधने का प्रयास किया है। यहां हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ आदि के शिक्षा विभाग की सराहना करनी होगी, जहां एक भी स्कूल जीरो एडमिशन वाला नहीं था। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग ने राज्य भर के जीरो एडमिशन वाले 81 स्कूलों की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया आरंभ की। इसका मानक यह होगा कि जहां पिछले लगातार तीन शैक्षणिक वर्षों में कोई छात्र दाखिल न हुआ हो। एक परेशान करने वाला आंकड़ा यह भी है कि देश के एक लाख स्कूलों में केवल एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं के छात्रों को पढ़ा रहा है, जिसमें करीब तैंतीस लाख छात्र अध्ययनरत हैं। जाहिर है वे छात्र क्या पढ़ रहे होंगे और उनका भविष्य क्या होने जा रहा है।

यहां विचारणीय प्रश्न यह भी है कि छात्रों का सरकारी स्कूलों से मोहभंग क्यों हो रहा है? यह समाज विज्ञानियों के लिए अध्ययन का विषय होना चाहिए कि कम फीस व पर्याप्त शिक्षक व शिक्षण व्यवस्था के बावजूद छात्र इन स्कूलों में क्यों पढ़ना नहीं चाहते? यह विडंबना ही है कि जिन संस्थानों में नौकरी सुरक्षित और सुविधाएं पर्याप्त होती हैं, वहां कर्मचारी अपना बेहतर प्रदर्शन करते नजर नहीं आते। जबकि निजी स्कूलों में कम वेतन और कम सुविधाओं के बावजूद कर्मचारी जमकर मेहनत करते हैं। वहां शिक्षकों का खूब दोहन होता है लेकिन कक्षाएं छात्र-छात्राओं से भरी होती हैं। विडंबना यह भी कि अभिभावक ज्यादा फीस देकर भी संतुष्ट नजर आते हैं। अक्सर कहा जाता है कि जिस दिन सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों व नेताओं के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ने लगेंगे, उस दिन सरकारी स्कूलों की दशा-दिशा सुधर जाएगी। फ्लिहाल देश में लाखों स्कूलों की स्थिति असंतोषजनक है और इस दिशा में गंभीर प्रयास की मांग की जाती है।

सादगीपूर्ण जीवनशैली से प्रदूषण मुक्ति की राह

दिल्ली में वायु प्रदूषण का गंभीर संकट नागरिकों के स्वास्थ्य व पारिस्थितिकी के लिए घातक बन चुका है। इसके लिए सुझाए जा रहे तकनीकी कृत्रिम समाधान पर्याप्त नहीं, ठोस उपाय कारगर होंगे। सबक यह है कि आधुनिकता की अंधी दौड़ और अति उपभोक्तावाद को छोड़कर हमें संयमपूर्ण जीवनशैली और जिम्मेदारी की सोच अपनानी होगी। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की तीव्रता के बारे में पहले ही काफी कुछ कहा और लिखा जा चुका है। बारम्बार, हमें उस ज़हरीली हवा के हानिकारक परिणामों की याद दिलाई जाती रही है जिसमें हम सांस लेते हैं। जैसा कि एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया कहते हैं, वायु प्रदूषण कोविड-19 से ज़्यादा लोगों की जान ले रहा है। दरअसल, उनके शब्दों में, वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक प्रभाव खांसी और सांस फूलने से कहीं आगे तक जाते हैं; यह दिल के दौरे, ब्रेन स्ट्रोक और यहां तक कि कैंसर जोखिम का एक बड़ा कारक है।

अविजीत पाठक

फिर भी, ऐसा लगता है कि हम बुनियादी सवाल उठाने और इस संकट की जड़ तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं। इसके बजाय, हम सरकार द्वारा सुझाए गए अस्थायी समाधानों से ही संतुष्ट रहना पसंद कर रहे हैं। एयर प्यूरीफायर खरीदें; बाहर जाते समय एन95 मास्क का इस्तेमाल करें; और तकनीकी चमत्कार- क्लाउड सीडिंग एवं कृत्रिम वर्षा - का इंतज़ार करें! दरअसल, किसी सार्वजनिक समस्या के ऐसे निजीकृत समाधानों से परे देखने, खुद से सवाल करने और उस वैश्विक नजरिये अथवा जीवन शैली के तरीकों पर सवाल उठाने के लिए साहस और राजनीतिक/नैतिक दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है, जिसे हमने सामान्य बना लिया है।

आइए, हम ईमानदारी से स्वीकार करें कि दिल्ली का वायु प्रदूषण, व्यापक जलवायु संकट और पारिस्थितिकी तंत्र पर बढ़ते हमलों से जुदा नहीं है। आधुनिकता के मूल मिज़ाज और प्रकृति पर मशीनी प्रभुत्व स्थापित करने की तर्कसंगतता मनाने पर विचार करें। 16वीं शताब्दी के दार्शनिक फ्रांसिस बेकन को याद करें—जिस तरह उन्होंने प्रकृति को मात्र संसाधन के रूप में देखा, और उस पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के लिए प्रकृति पर जीत प्राप्त करने, उसे काबू करने और अपने हिसाब से घुमाने के लिए नव विज्ञान की वकालत की है। यह कहकर कि 'ज्ञान ही शक्ति है' -बेकन का यह सिद्धांत उस सोच को नई गति देता है जिसको लेकर आधुनिकता बहुत उत्साहित रहती है : अंतहीन तकनीकी-भौतिक प्रगति हेतु प्रकृति पर विजय पाने का कार्य। और फिर, आधुनिकता की सबसे प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति के रूप में तकनीकी-पूंजीवाद के निरंतर विकास के साथ, हम आर्थिक विकास और उपभोक्तावाद के सिद्धांत के प्रति तेजी से आदी होने लगे। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे आस-पास की हर चीज़, चाहे वह पेड़ हो, नदी हो, जंगल हो या पहाड़, अपना रहस्य और अर्थ खो बैठी है। इस मोहभंग भरी दुनिया में, प्रकृति हमारी बढ़ती ज़रूरतों और लालच को पूरा करने के लिए अपने 'उपयोग मूल्य' के साथ एक संसाधन मात्र बन गई है - ज़्यादा

बिजली, ज़्यादा कारें, ज़्यादा फ़र्नीचर, ज़्यादा यात्राएं, ज़्यादा कपड़े, ज़्यादा उपभोग... हम सड़कें बनाने के लिए हज़ारों पेड़ों को नष्ट करने से नहीं हिचकिचाते; बांध बनाने और बिजली पैदा करने के लिए नदी के प्राकृतिक प्रवाह और लय को नष्ट कर रहे हैं; हम उपभोक्तावादी पर्यटकों की ज़रूरतों की पूर्ति हेतु होटल और रिसॉर्ट बनाने के लिए नाज़ुक पहाड़ों को नष्ट करते हैं। इसके अलावा, चूंकि आधुनिकता के विमर्श में गति और गतिशीलता का पंथ अंतर्निहित है, इसलिए हमें ज़्यादा कारों, ज़्यादा ट्रेनों, ज़्यादा हवाई जहाजों की ज़रूरत है; और इसके वास्ते उपयोग होने वाले जीवाश्म ईंधन का निरंतर दोहन ज़्यादा से ज़्यादा कार्बन उत्सर्जन को बढ़ावा देता है। हम आधुनिकता व तकनीकी-पूंजीवाद के दुष्चक्र में फंसे हैं। जैसा कि समाजशास्त्री उलरिच बेक ने कहा है, 'अब हम एक 'जोखिम युक्त समाज' में जी रहे हैं।' दिल्ली का वायु प्रदूषण आधुनिकता की त्रासदी का एक उदाहरण है। शहर में घूमते वक्त वाहनों की भरमार देखिए। जैसा कि दिल्ली के 2023 के आंकड़े बताते हैं, राजधानी में पंजीकृत वाहनों की कुल संख्या 1.2 करोड़ थी, जिनमें से 33.8 लाख निजी कारें थीं। शहर में जारी अंतहीन निर्माण कार्य को देखिए- कहीं कोई नया राजमार्ग, कोई नया फ्लाईओवर, कोई नया मेट्रो स्टेशन, या गगनचुंबी मंजिलों वाली कोई नई विशाल हाउसिंग सोसायटी बनती नज़र आती है। इसे स्वीकार करें, दिल्ली का वायु प्रदूषण मुख्य रूप से पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के कारण नहीं है। इसकी बजाय, यह बड़े पैमाने के विकास, गति और उपभोग में अंतर्निहित जन्मजात अवगुण के कारण है। हम यह कैसे भूल सकते हैं कि वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन दिल्ली के वायु प्रदूषण में एक बड़ा योगदानकर्ता है, अध्ययनों से पता चलता है कि वार्षिक पीएम-2.5 प्रदूषण मानक के घनत्व में यह 10-30 प्रतिशत तक जिम्मेदार हैं, जो इसे खराब वायु गुणवत्ता में एक प्रमुख वजह बनाता है। इसी तरह, औद्योगिक गतिविधियों और बिजली संयंत्रों से उत्सर्जन, अपशिष्ट जलाने, भवन निर्माण कार्य और सड़क से उठती धूल शहर में गंभीर वायु प्रदूषण पैदा करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। इतना ही नहीं, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दिल्ली-एनसीआर में ऑफिस जाने वालों के लिए, जैसा कि एक अध्ययन बताता है, औसत एकतरफा यात्रा दूरी 22 किमी. है। वास्तव में, ये लंबी औसत यात्रा दूरी और अधिक यात्रा समय पीएम 2.5 और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे प्रदूषकों के प्रमुख स्रोत हैं।

लेकिन, ये सवाल उठाना मुश्किल है। क्योंकि इसके लिए हमें खुद के अंदर झांकना होगा और अपनी अतिशयी-आधुनिकता भरी जीवन शैली पर सवाल उठाने पड़ेंगे। लेकिन यह करने की बजाय, हमारे लिए यह मानना आसान है कि अगर हम अपने बेडरूम में एयर प्यूरीफायर इस्तेमाल करेंगे, तो हम सुरक्षित हो जाएंगे; यह मानना आसान है कि अगर टेक्नो-साइंस नकली बारिश कर सकती है, तो चिंता करने की ज़्यादा ज़रूरत नहीं। यह मानना आसान है कि अगर हम पेट्रोल-डीज़ल की बजाय इलेक्ट्रिक कारें अपना लें, तो समस्या हल हो जाएगी। गरीबों के मत्थे उनकी 'गैर-साफ सफाई' जीवन शैली का दोष मढ़ना आसान है। हालांकि, यह मानना मुश्किल है कि अमीर और पैसे वाले लोग, अपनी लग्ज़री एसयूवी और स्पीड कारों, बार-बार हवाई यात्राओं और अति उपभोक्तावाद की वजह से कार्बन एमिशन में बहुत ज़्यादा योगदान देते हैं। और यह भूलना आसान है कि इस प्रदूषण के बुरे स्वास्थ्य प्रभाव अक्सर उन गरीबों पर ज़्यादा पड़ते हैं जो प्रदूषित इलाकों में रहते हैं। सच तो यह है कि जब तक हम टेक्नो-कैपिटलिज़्म के दायरे से आगे देखने की हिम्मत नहीं करेंगे, इस 'जोखिम कारक समाज' से कोई छुटकारा या आज़ादी नहीं है और वह नहीं अपनाते जिसे 'अव्यावहारिक' और 'यूटोपियन' (सब चलता है वाली प्रवृत्ति) माना जाता है। इसके लिए जीवन शैली और शहरी प्लानिंग के एक नए तरीके की ज़रूरत है। इसके लिए एक बदलाव की ज़रूरत है - तेज़ रफ़्तार से धीमी गति की ओर, बड़े-बड़े एक्सप्रेस-वे से ऐसी सड़कों की तरफ जो पैदल चलने और साइकिल चलाने को प्रोत्साहन दें, प्राइवेट गाड़ियों से सार्वजनिक परिवहन की ओर, और दिखावटी उपभोक्तावाद से सादे-टिकाऊ जीवन की ओर; और झूठी ज़रूरतों की चाहत से उन चीज़ों की मांग की तरफ जो हमें और हमारे बच्चों को स्वस्थ रखे - बिना प्रदूषण वाला पीने का पानी, साफ़ हवा, पेड़, पानी के स्रोत, नीला आसमान और भरपूर हरी-भरी जगह।

अपनी प्राथमिकताएं चुनना हम पर निर्भर है, सरकार पर दबाव डालें, और तय करना कि हम किस तरह का 'विकास' चाहते हैं।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

बिहार विधानसभा चुनावों में जेपी की धरती पर उनके चेलों के बीच हो रहा महाभारत

अजय दीक्षित

बिहार में विधानसभा चुनावों में जयप्रकाश नारायण के चेलों के बीच उनकी मातृभूमि पर महाभारत हो रहा है। इसमें धुर्त क्रीड़ा भी हो रही है। सत्ता रूपी द्रौपदी असमंजस में है। कौरवों और पांडवों की पहचान जनता करेंगी। लेकिन इतना तय है कि एक कुल का नाश होना है।

बिहार विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है।अब चुनाव पूरे रंग पर है ।आगामी 9 नवंबर तक पूरे बिहार पूरे देश के राजनीतिक लोगों, विश्लेषकों, साफ़ोजोलिस्टो, मीडिया के तमाम संपादकों का डेरा जमा है बताया जाता है कि भारी संख्या में विदेशी मीडिया भी पटना में डेरा जमाए हैं। पटना के पांच सितारा होटल चाणक्य,मगध, मौर्य सीरियन में सभी कमरे फुल है और वीआइपी टैक्सी सुबह ही गांव, देहात, कस्बों में दौड़ने लगती हैं। आखिर विधानसभा चुनाव इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं और इसका क्या कारण है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रोज बिहार में रैली कर रहे हैं और राजद कांग्रेस की ओर से तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी और सबसे अधिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाक का बाल बन गया है यह चुनाव । प्रभात खबर के पॉलिटिकल एडिटर राजदेव पाण्डेय कहते हैं कि बिहार विधानसभा चुनावों में ऊंट किस करवट बैठ जाएगा कुछ नहीं कह सकते। राजग और इंडिया ब्लॉक में लड़ाई कांटे की है। पूरा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तेजस्वी यादव के बीच लग रहा है।यहां तक कि कई नेताओं को तो भीड़ सुनने ही नहीं आ रही है। इंडिया ब्लॉक खेमे में तेजस्वी यादव की मांग है । कांग्रेस, सीपीएम, सीपीई,के उम्मीदवार भी राजद के पटना ऑफिस में लगातार मेल भेज रहे हैं और ह्ष्ठ में यही हालत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ की बनी हुई है। जेडीयू उम्मीदवार भी योगी आदित्यनाथ की सभाएं करवा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की समस्तीपुर रेली से निकले उदित चक्रवार कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात पर भरोसा है।जबकि दुलारी निषाद कहती है कि नीतीश कुमार ने महिलाओं को दस हजार रुपए दे कर मामले को पटत दिया है। मुजफरपुर में सभा में शामिल उस्मानी बेगम लालू प्रसाद यादव के जंगलराज से नाराज है क्योंकि उनके साथ उदंड लोग जुड़े हैं। लेकिन तेजस्वी यादव का अपना वोट बैंक है । अधिकतर मुस्लिम राजद खेमे के उम्मीदवार को पसंद कर रहे हैं।

पटना की शाम में चर्चा है कि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री पद पर आसीन होंगे क्योंकि केंद्रीय सरकार उनके समर्थन से टिकी है। चर्चा यह भी है कि नीतीश कुमार को पिछड़ी जातियों, स्वर्ण वोट का समर्थन है । लेकिन बिहार चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी रहने वाली है।

डॉनल्ड ट्रंप की कार्यशैली

ट्रंप के लिए गोल-पोस्ट बदल लेना आम बात है। रूस से तेल खरीदारी रुकवाने तक वे सीमित रहेंगे, यह सोचना भूल है। ब्रिक्स+ से अलगाव और भारतीय पूंजी का अमेरिका में निवेश करवाना उनकी अगली प्राथमिकताएं हो सकती हैं। भारत सरकार जिसे पहले देश की ऊर्जा जरूरतों के मुताबिक अपना संप्रभु निर्णय कहती थी, उस मामले में झुकने का संकेत देकर उसने सारी दुनिया में बहुत गलत संदेश भेजा है। ताजा घटनाओं से अमेरिकी राष्ट्रपति का यह दावा सच होता दिखा है कि इस वर्ष के अंत तक रूस से कच्चे तेल की खरीदारी रोक देने का गुपचुप आश्वासन उन्हें दिया गया। इन खबरों के बाद चर्चा फिर गर्म है कि द्विपक्षीय व्यापार वार्ता पर दोनों देश सहमति की ओर बढ़ रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्टों में तो यहां तक बताया गया है कि अब समझौते का प्रारूप लिखा जा रहा है। प्रस्तावित समझौते में कृषि एवं डेयरी क्षेत्रों को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने की ट्रंप प्रशासन की मांग पर भारत कहां तक झुकेगा, यह अभी साफ नहीं है।

मगर वह सिर्फ एक मुद्दा है। डॉनल्ड ट्रंप की कार्यशैली से जाहिर है कि ट्रेड डील उनके लिए सिर्फ व्यापार घाटा पाटने का जरिया नहीं है। बल्कि इसे उन्होंने अमेरिका के व्यापक भू-राजनीतिक हितों को साधने का औजार बना रखा है। ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने के संदर्भ में उनके दावे भी इसी बात की पुष्टि करते हैं। फिलहाल एक विज्ञापन को आधार बना कर जिस तरह उन्होंने कनाडा से व्यापार वार्ता तोड़ दी, उससे यही संकेत मिला है कि ट्रंप के लिए गोल-पोस्ट बदल लेना आम बात है। यानी वे रूस से तेल खरीदारी रुकवाने तक सीमित रहेंगे, यह सोचना भूल है। ट्रंप ने ब्रिक्स+ को निशाने पर ले रखा है, जिससे भारत को अलग करवाना उनका अगला मकसद बन सकता है। फिर भारतीय पूंजी का अमेरिका में निवेश करवाना उनकी आगे की प्राथमिकता हो सकती है।

हैवी लिफ्ट अंतरिक्ष प्रक्षेपण के दरवाजे खुले

प्रमोद जोशी

अब इसरो के आगामी कार्यक्रमों में मार्च, 2026 तक सात अंतरिक्ष मिशनों को पूरा करने की योजना है, जिसमें गगनयान कार्यक्रम के तहत पहला मानव रहित परीक्षण शामिल है। इसके अलावा, इसरो 2040 तक चंद्रयान मिशन को पूरा करने, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और भविष्य के लिए डॉकिंग जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों को विकसित करने पर काम कर ही रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 2 नवंबर को, भारतीय नौसेना के लिए जीसैट-7आर का प्रक्षेपण करके अपनी दक्षता को एक बार फिर से साबित किया है। दक्षता इसलिए क्योंकि देश के सबसे शक्तिशाली रॉकेट लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (एलवीएम-3) का इसमें इस्तेमाल हुआ था, जिसकी भार वहन क्षमता मोटे तौर पर 4000 किलोग्राम की थी, पर उसने जिस उपग्रह का प्रक्षेपण किया, उसका भार 4,410 किलोग्राम था। भारतीय धरती से प्रक्षेपित यह अब तक का सबसे भारी संचार उपग्रह है।

सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) सैन्य संचार उपग्रह है, जिसका वित्तपोषण पूरी तरह से रक्षा मंत्रालय ने किया है। इसे हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षित, मल्टी-बैंड संचार लिंक प्रदान करने के लिए भारतीय नौसेना के उपयोग के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है। यह उपग्रह पोतों, पनडुब्बियों और विमानों के बीच आवाज, डेटा और वीडियो लिंक के लिए संचार नेटवर्क का काम करेगा। मुख्य मिशन के रूप में इसका काम समुद्री सुरक्षा और निगरानी है। यह पुराने जीसैट-7 (रुक्मिणी) की जगह लेगा, जो 2013 से सेवा में है। जीसैट-7 और जीसैट-7ए देश के समर्पित सैन्य संचार उपग्रह हैं। दिसंबर 2018 में प्रक्षेपित जीसैट-7ए, मुख्यत: वायुसेना के लिए डिज़ाइन किया गया है। थलसेना आंशिक रूप से इसकी लगभग 30 प्रतिशत क्षमता का उपयोग करती है।

हमारे संचार उपग्रह अपेक्षाकृत भारी होते हैं। इसरो की कोशिश होती है कि एक ही उपग्रह में व्यापक कवरेज, उच्च शक्ति और लंबी सेवा अवधि का मेल हो। पूरे देश और आसपास के समुद्रों की कवरेज के लिए, संचार पेलोड को कई आवृत्ति बैंडों में कई चैनलों की आवश्यकता होती है। इसके लिए कई बड़े एंटेना, उच्च-शक्ति एम्प्लीफायर, वेवगाइड, फ़िल्टर, स्विच कई एनालॉग ट्रांसपोंडरों या लचीले डिजिटल प्रोसेसर की आवश्यकता होती है। करीब 12 से 15 साल तक कई किलोवाट बिजली की आपूर्ति के लिए, उपग्रहों में बड़े सौर पैनल, पर्याप्त बड़ी बैटरियां और पावर कंडीशनिंग इकाइयां होती हैं। इस वजह से वजन बढ़ता है।

चार हजार किलोग्राम से अधिक वज़न वाला जीसैट-7आर इसरो का यह पहला उपग्रह है, जिसे देश की धरती से दूरस्थ भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा में स्थापित किया गया है। इस प्रक्षेपण ने उस बाधा को तोड़ा, जो अपने प्रक्षेपकों की मदद से भारी उपग्रहों के प्रक्षेपण से हमें रोकती थी। पिछले साल 19 नवंबर को एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के फैल्कन-9 रॉकेट का उपयोग करके इसरो ने जब जीसैट-एन2 या जीसैट-20 का प्रक्षेपण किया, तब उस बाधा का उल्लेख भारतीय मीडिया में हुआ था। भारत ने हालांकि 430 से अधिक विदेशी उपग्रहों को लॉन्च किया है, लेकिन जीसैट-20 इतना भारी था कि भारतीय प्रक्षेपण यान इसे अंतरिक्ष में ले जाने में असमर्थ थे। इस कारण इसरो को स्पेसएक्स के साथ साझेदारी करनी पड़ी। हमारे पास 4700 किलोग्राम के उस उपग्रह के प्रक्षेपण लायक रॉकेट नहीं है।

स्पेसएक्स का फैल्कन-9 रॉकेट 8,300 किलोग्राम तक के पेलोड को संभाल सकता है। भारत का रॉकेट 'द बाहुबली' या एलएमवी-3 अधिकतम 4000 से 4100 किलोग्राम तक के वजन को जियोस्टेशनरी ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) तक ले जा सकता है। बहरहाल यह उपलब्धि ज़रूर है कि हमने 4000 किलोग्राम वजन की क्षमता वाले रॉकेट से 4410 किलोग्राम के उपग्रह का प्रक्षेपण करने में सफलता हासिल कर ली। ऐसा करने के लिए रॉकेट के इंजन में कुछ परिवर्तन किए गए और उपग्रह को अपेक्षाकृत निचली कक्षा में स्थापित किया गया, जहां से वह अपने थ्रस्ट इंजन की सहायता से निर्धारित भूस्थिर कक्षा में चला जाएगा।

इसरो को भारी प्रक्षेपण-यान (एचएलवी) विकसित करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जो वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में इसकी क्षमताओं को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। इसरो को संसाधनों और उन्नत इंजन प्रौद्योगिकी, दोनों की ज़रूरत है। इसरो ने सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पर पूरी तरह से महारत हासिल नहीं की है, जो भारी-भरकम क्षमता के लिए आवश्यक है। हमारा एलएमवी-3, भारी वाहनों के अंतरराष्ट्रीय मानकों से कम है और इसकी पेलोड क्षमता चीन के लॉन्ग मार्च-5 जैसे तुलनीय रॉकेटों की एक तिहाई से भी कम है। इसरो को उच्च-थ्रस्ट वेरिएंट और उन्नत इंजन की ज़रूरत है। इसरो का ऐतिहासिक दृष्टिकोण धीमी गति से विकास करने का रहा है, पर अब व्यावसायिक कारणों से परिस्थिति बदली है। नए रॉकेटों के लिए विकास में आमतौर पर दस साल से अधिक का समय लगता है और पर्याप्त निवेश की आवश्यकता भी होती है। इसके लिए घरेलू मांग भी अपर्याप्त है। बहरहाल, इसरो ने नेक्स्ट जनरेशन लॉन्च व्हीकल (एनजीएलवी) पर काम शुरू कर दिया है, जिसे 'प्रोजेक्ट सूर्य' के नाम से भी जाना जाता है। इसके विकास के लिए पिछले साल कैबिनेट ने 8,239 करोड़ रुपये के बजट के साथ स्वीकृति दे दी थी। इसे 10 से 24 टन तक के पेलोड को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) तक पहुंचाकर अपनी भारी-भरकम क्षमता को बढ़ाना है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

एशिया मास्टर एथलेटिक्स में भिलाई के गंगेश्वर को तीसरा स्थान

भिलाई। 23वीं एशिया मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भिलाई के मास्टर एथलीट गंगेश्वर ने 800 मीटर रनिंग में तीसरा स्थान पाया है। यह प्रतियोगिता भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा चेन्नई तमिलनाडू में आयोजित की जा रही है। भारतीय दल के मैनेजर ताजुद्दीन ने बताया कि 800 मीटर रेस में 60 वर्ष से अधिक वर्ग भिलाई के गंगेश्वर ने तीसरी पोजिशन पाई है। प्रतियोगिता में 18 देशों के एथलीट विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं और ऐसे में भिलाई के मास्टर एथलीट की यह उपलब्धि सराहनीय है।

राज्योत्सव में गूगल बाय रूद्र शर्मा ने बिखेरा ज्ञान का जादू

दुर्ग। राज्योत्सव 2025 के समापन समारोह में शहरवासियों ने एक अनोखी

प्रस्तुति देखी, जब 'गूगल बाय रूद्र शर्मा' ने अपने अद्भुत ज्ञान और प्रस्तुति से सभी को चकित कर दिया। मंच पर रूद्र शर्मा ने विभिन्न विषयों पर त्वरित और सटीक उत्तर देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रूद्र शर्मा की विलक्षण प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। सभी ने रूद्र शर्मा की प्रस्तुति को राज्योत्सव का सबसे आकर्षक और प्रेरणादायक क्षण बताया।

ई-ऑफिस क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण आज

दुर्ग। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार दुर्ग जिले के विभागों एवं कार्यालयों में ई-ऑफिस के कियान्वयन, सुचारू रूप से संचालन एवं उनके प्रयोगों के संबंध में प्रशिक्षण 06 नवम्बर 2025 को प्रात: 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक विश्वनाथ यादव तामस्कर पी.जी. आटोनामस कालेज दुर्ग (सांईस कॉलेज दुर्ग) में आयोजित किया गया। जिन विभागों को ई-ऑफिस संचालन में समस्या हो रही है, संबंधित विभाग के अधिकारी स्वयं या अपने कर्मचारी सहित इसमें शामिल हुए।

गुरुनानक देव प्रकाश पर्व व कार्तिक पूर्णिमा पर मंत्री ने भी गुरुद्वारे में टेका माथा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को गुरुनानक देव के 556वें प्रकाश पर्व पर समूचे सिख समाज में खुशी और जश्न का माहौल था। सेक्टर–6, नेहरू नगर, कैंप–1, हाउसिंग बोर्ड, दुर्ग आदि गुरुद्वारों में मत्था टेकने पहुंचने वालों का शाम तक तांता लगा रहा। सेक्टर–6 गुरुद्वारा में सिख पंथ के अंतरराष्ट्रीय कथावाचक बाबा बंता सिंग ने कहा कि गुरुनानक देवजी के एबटाबाद के किस्से बताए और उनके संदेश भगवान का नाम जपो, कर्म करो और मिलकर खाओ के संदेश को दोहराया। गुरुद्वारा में सुबह अखंड पाठ के समापन बाद बीबी स्त्री सत्संग, स्कूली छात्र–छात्राओं, बीबी जसवीर कौर, हजूरी रागी जत्था ने कीर्तन किया।

नेहरू नगर और दुर्ग के गुरुद्वारा गुरु सिंग सभा में समाज के लोगों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। इसके अलावा गुरुद्वारों में गुरु का लंगर अटूट बांटा गया। दुर्ग गुरुद्वारा में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने

पहुंचकर गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शन किए और मत्था टेककर प्रदेश की सुख–शांति, समृद्धि और समस्त जनमानस के कल्याण की कामना की।

मंत्री गजेन्द्र ने कहा कि गुरुनानक देवजी ने समाज को सत्य, सेवा और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उनके उपदेश आज भी समाज को एकता और मानवता का संदेश देते हैं। गुरुद्वारा परिसर में कीर्तन, भजन और लंगर सेवा में भी वे शामिल हुए। गुरुद्वारा कमेटी के सदस्यों से मिलकर उन्हें गुरु पर्व की बधाइयां दी। इस अवसर पर अरविंदर सिंह खुराना, सिकंदर सिंह, गुरदर्शन सिंह, मोहेन्दर सिंह सहित समाज प्रमुख उपस्थित थे।

दुर्ग गुरुद्वारा में अमृतसर से पहुंचे ज्ञानी जगदीप सिंह राजेवाल के जत्थे ने कीर्तन के माध्यम से गुरु के मानवता के संदेश को दोहराया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, आरएन वर्मा, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, राजकुमार नारायणी सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी यहां मत्था टेकने पहुंचे।

बीएम शाह अस्पताल ने आस्था वृद्धाश्रम में लगाया शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बी. एम. शाह हॉस्पिटल मेडिकल रिसर्च सेंटर, शास्त्री नगर सुपेला, भिलाई द्वारा जनहित में आस्था बहुउद्देशीय वृद्धा आश्रम, 23 सेक्टर 2, भिलाई में नि: शुल्क मेडिकल हेल्थ कैंप दिनांक- 04-11-2025, समय- सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक नि: आयोजन किया गया है।

आयोजित हेल्थ कैंप में नि: शुल्क डॉक्टर परामर्श एवं मेडिकल जांच जिसमें बीपी, शुगर, सीबीसी, कोलेस्ट्रोल, टीजीएल, यूरिक एसिड, यूरिया, क्रिएटिनिन, एसजीओटी एवं एसजीपीटी शामिल है एवं जरुरतमंदों को दवाईयां भी प्रदान की गई। शिविर में 45 वृद्धजनों का नि: शुल्क परामर्श एवं विभिन्न जांच किया गया।

इस आयोजन शिविर में हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. जय तिवारी, डायरेक्टर(ऑपरेशन) डॉ. अरुण मिश्रा एवं सीईओ विमल कुमार, मेडिकल ऑफिसर डॉ. एस. एस. वर्मा, ऑपरेशन मैनेजर अमरजीत सिंह के साथ पुरी टीम मौजूद रही।

आयोजित नि: शुल्क शिविर का लाभ लेकर आश्रमवासी 50 से अधिक वृद्धजनों ने बी. एम. शाह हॉस्पिटल का शुक्रिया अदा किया।

प्रधानमंत्री आवास लाटरी 12 नवम्बर को निगम में

भिलाई। मोर मकान–मोर आस एवं मोर मकान–मोर चिन्हारी घटक के विभिन्न परियोजना स्थलों में निर्मित/निर्माणाधीन आवासों का आबंटन नगर निगम भिलाई मुख्य कार्यालय सभागार में दिनांक 12.11.2025 को समय 12 बजे लाटरी आयोजित किया गया है। हितग्राहियों द्वारा जमा किए गए आवेदन पत्रों का सक्षम स्वीकृति प्राप्त कर अंशदान राशि का 10 प्रतिशत राशि तथा बेदखली व्यवस्थापन हेतु हितग्राही अंशदान राशि 75000 निगम कोष में जमा कराया गया है। लाटरी पद्धति से वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को भूतल के आवासों का लाटरी निकालकर आवास आबंटन किया जाएगा एवम अन्य हितग्राही को भी भूतल के आवासों में लॉटरी के माध्यम से आबंटन किया जावेगा।

जोहारछग अध्यक्ष की बढ़ी मुश्किलें, एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। सिंधी और अग्रवाल समाज के सदस्यों ने भिलाई नगर थाने में शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया।

शिकायत में कहा गया कि अमित बघेल ने सोशल मीडिया पर अपने बयान में सिंधी समाज और उनके पूजनीय इष्टदेव संत झूलेलाल जी के साथ–साथ महाराजा अग्रसेन के संबंध में अभद्र और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया। इस टिप्पणी के बाद सिंधी और अग्रवाल समाज के लोगों में गहरा आक्रोश फैल गया। दोनों समाजों के पदाधिकारियों ने इस बयान को धार्मिक और सामाजिक सौहार्द के खिलाफ बताया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अमित बघेल की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि ऐसी टिप्पणियां न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती हैं, बल्कि समाज में वैमनस्य फैलाने का काम करती हैं। पुलिस ने बघेल के खिलाफ न्याय संहिता की धारा 299 के तहत अपराध दर्ज किया है।

जगन्नाथ मंदिर सेक्टर-4 में नाम संकीर्तन

भिलाई। श्री जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर 4 में कार्तिक पूर्णिमा पर सुबह गंगा आह्वान कर पूजा–अर्चना के साथ अखंड हरी नाम संकीर्तन शुरू किया गया। मंदिर के सदस्यों के साथ ही विभिन्न कीर्तन दलों व भक्तों के नाम जप से पूरा मंदिर परिसर हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, हरे राम .. से गूंज उठा। नाचते गाते भक्त ढोल मंजीरों के साथ हरिनाम लेते हुए परिक्रमा करते रहे। कार्तिक पूर्णिमा की पूजा विधि पं. परितोष पाणिग्रही ने कराई। उत्सव को सफल बनाने में जगन्नाथ समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र सतपथी, महासचिव सत्यवान नायक, त्रिनाथ साहू, भीम स्वांई, बीसी बिस्वाल, की भूमिका रही।

सहस्त्रबाहु जयंती पर होनहारों का किया गया सम्मान

भिलाई। श्री सहस्त्रबाहु कल्याण समिति, भिलाई द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती पर समिति की वार्षिक आमसभा व दीपावली मिलन का आयोजन इस्पात क्लब सेक्टर–4 में किया। नृत्य, गीत, कविता पाठ की प्रस्तुति के साथ ही बच्चों के लिए आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही हर्षा ताम्रकार, अनिता, अर्चना, नेहा, यामिनी, रिया, विजेता, रोशनी, कल्याणी, अनिता, हर्षा ताम्रकार आदि ने प्रस्तुतियां दी। विशेष उपलब्धि के लिए निहारिका, ओजस, काश्वी, ऐशान, सोविंद को सम्मानित किया गया। शरदचंद्र, राजेन्द्र, शंकर लाल, अरविंद, सुशील, उपस्थित रहे।

कार्यस्थल में यौन उत्पीड़न पर कार्यशाला

श्रीकंचनपथ समाचार

अर्जुन्दा। शहीद दुर्वासा निषाद शासकीय महाविद्यालय अर्जुंदा बालोद में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में कार्यस्थल में यौन उत्पीड़न रोकथाम विषय में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य कार्यस्थल में सुरक्षित और अनुकूल कार्य वातावरण बनाकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने, और उनका समाधान करना था।

मुख्य अतिथि डॉ. अंजली अवधिया संयुक्त संचालक रूसा ने राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं की स्थिति से अवगत कराया और अपने अनुभव साझा किये।

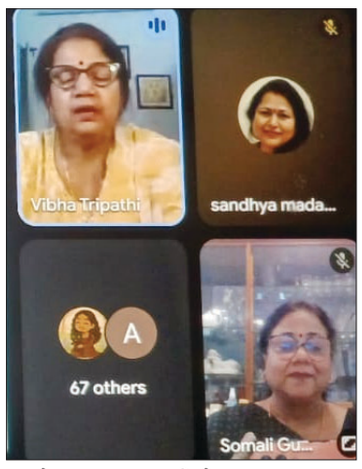

स्वागत उद्बोधन प्राचार्य डॉ.सोमाली गुप्ता ने प्रस्तुत किया। विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्यगण उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता विभा त्रिपाठी निर्देशक अरित्र बिजनेस एक्सीलेंस ने शिकायत की प्रक्रिया, आंतरिक शिकायत समिति का निर्माण, भूमिका एवं उसके कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विभा त्रिपाठी एवं सहयोगी वक्ता स्वाति शुक्ला ने कार्यस्थल में लैंगिक उत्पीड़न के प्रकार, दंड का प्रावधान, केस स्टडी के माध्यम से लैंगिक उत्पीड़न एवं सामान्य उत्पीड़न के अंतर को स्पष्ट किया। डॉ. सोमाली गुप्ता द्वारा विशाखा गाइड लाइन के बारे में चर्चा की और कहा कि प्रत्येक संस्था में इसे प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

दुर्ग से सीएम तीर्थदर्शन यात्रा के लिए रवाना हुए 800 श्रद्धालु, महापौर ने किया विदा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत दुर्ग जिले के 800 श्रद्धालु पवित्र तीर्थ स्थलों सोमनाथ, नागेश्वर और द्वारका के दर्शन के लिए रवाना हुए। दुर्ग रेलवे स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन द्वारा इन श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्रा पर भेजा गया।

इस अवसर पर दुर्ग महापौर अलका बाघमार, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने कलेक्टर अभिजीत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे,आयुक्त सुमित अग्रवाल तथा एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर,रंजीता पाटिल,सावित्री दमाहे की मौजूदगी में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया।

महापौर अलका ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य केवल धार्मिक यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका मकसद नागरिकों को अपनी संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर शुरू की गई यह योजना राज्य के वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं के लिए आस्था और आत्मसंतोष का अवसर लेकर आई है।

वरिष्ठ नागरिकों का होगा स्वस्थ मनोरंजन पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी सत्र (2025-28), संबद्ध सियान सदनों के प्रतिनिधियों एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक सियान सदन, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, भिलाई में संपन्न हुई। बैठक में महासंघ एवं वरिष्ठ नागरिकों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

अध्यक्षता महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने की। आल इंडिया सीनियर सिटीजन कान्फेडेरेशन (आइस्कान) की नव नियुक्त राष्ट्रीय संयुक्त सचिव श्रीमती यमला साहू एवं केन्द्रीय कार्यसमिति सदस्य डॉ. वेदवती मंडावी विशेष रूप से आमंत्रित थे।

बैठक के आरंभ में घनश्याम देवांगन ने बैठक के उद्देश्य एवं एजेंडा की जानकारी दी। बैठक में उपस्थित सदस्यों से महासंघ की वर्तमान स्थिति पर सुझाव मांगा गया।

उपस्थित सदस्यों ने अध्यक्ष घनश्याम देवांगन के नेतृत्व में पूर्ण विश्वास जताया और महासंघ की वर्तमान प्रबंधकारिणी द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण एवं हित में किए जा रहे रचनात्मक गतिविधियों की खुलकर प्रशंसा की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि महासंघ की प्रतिष्ठा को धूमिल करने, नई प्रबंधकारिणी को अभी तक चार्ज नहीं देने एवं असहयोग करने वाले पूर्व पदाधिकारियों के खिलाफ नोटिस भेजकर कड़ी अनुशासनात्मक एवं वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी जाएगी। बैठक में सदस्यों ने सर्वसम्मति से आगामी दिनों में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए प्रस्तावित स्वास्थ्य, मनोरंजन, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, धार्मिक आदि रचनात्मक गतिविधियों के आयोजनों को निरंतर जारी रखने का निर्णय लिया। सदस्यों ने महासंघ के द्वारा वरिष्ठ जनों के कल्याण एवं सम्मान के लिए किए जा रहे सभी रचनात्मक कार्यों में पूर्ण सहयोग देने का संकल्प भी लिया और सभी वरिष्ठ जनों की खुशहाल एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

आइस्कान के नवनियुक्त राष्ट्रीय संयुक्त सचिव श्रीमती यमला साहू ने कहा कि भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ की सक्रियता एवं रचनात्मक गतिविधियां सराहनीय है। उन्होंने कहा कि महासंघ का उद्देश्य बुजुर्गों को खुशियां एवं शांति प्रदान करना है। बुजुर्गो को किसी भी प्रकार का टेंशन देना एवं उनकी परेशानियां बढ़ाना किसी भी रूप में उचित नहीं है। उन्होंने सभी वरिष्ठ जनों को मिलजुलकर रहने की समझाइश दी। डॉ. वेदवती मंडावी ने भी वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान को बनाए रखते हुए सबको मिलजुलकर रहने के लिए कहा।

पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग

दुर्ग। अखिल भारतीय एससी/एसटी/ओबीसी संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल ने समाजहित की अनेक मांगो को लेकर कलेक्टर दुर्ग को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और छत्तीसगढ़ के राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जातीय जनगणना अविलंब प्रारंभ कराने, छत्तीसगढ़ में 50 फीसद आरक्षण के प्रतिबंध को हटाकर जनसंख्या के अनुपात मे आरक्षण प्रदान किए जाने, पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण संबंधी राज्यपाल के पास लंबित प्रस्ताव को पारित कराए जाने, निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों, कारखानों में भी आरक्षण लागू किए जाने, पिछड़ा वर्ग को लोकसभा और विधानसभा में जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने, बेरोजगार युवाओं को रोजगार के लिए प्रशिक्षण देने की मांग की गई।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

रेल हादसे के घायलों से मिले डिप्टी सीएम, पूछा हालचाल

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बिलासपुर में विभिन्न अस्पतालों का दौरा कर रेल हादसे में घायल मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनके जल्द स्वस्थ लाभ की कामना की। श्री साव ने अस्पताल में डॉक्टरों से चर्चा कर घायलों के स्वास्थ्य के बारे में पूछा और उनके बेहतर से बेहतर इलाज के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 4 नवम्बर को बिलासपुर के लाल खदान के पास हुए रेल हादसे में 11 लोगों की मृत्यु और 20 लोग घायल हो गए हैं। घायलों का इलाज बिलासपुर के सिम्स, अपोलो, रेलवे अस्पताल और अरपा मेडिसिटी अस्पताल में चल रहा है। महापौर पूजा विधानी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसपी रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त अमित कुमार और जिला पंचायत के सीईओ संदीप अग्रवाल भी उनके साथ थे।

सरगुजा में ठंड की दस्तक, 3 डिग्री तक गिरेगा पारा, छाने लगी धुंध

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साइक्लोन मोंथा का असर कम होने के बाद एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया है। अब प्रदेश में ठंड का असर दिखाने लगा है। वहीं तीन दिन में ही न्यूनतम तापमान में 8 डिग्री की गिरावट आई है। प्रदेश के उत्तरी और मध्य भागों में शुष्क मौसम जारी रहेगा, वहीं दक्षिणी छत्तीसगढ़ में भी अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना नहीं है। रायपुर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री और न्यूनतम 21.4 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 32 डिग्री जगदलपुर में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज हुआ। मौसम विभाग का कहना है कि न्यूनतम तापमान में फिलहाल कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन तीन दिन बाद इसमें गिरावट आएगी।

मर्दापाल में महिलाओं ने निकाली मशाल रैली

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के निर्देशन में तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी अवनी कुमार बिसवाल महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में जिले में सुपोषित जीवन अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत मर्दापाल तह. कोण्डागांव जिला कोण्डागांव के पंचायत भवन में सुपोषित जीवन अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कोण्डागांव जिले को कुपोषण मुक्त बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है। उक्त कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित, अतिथियों का स्वागत, रंगोली, तथा बच्चों के द्वारा फुलझड़ी जलाया गया, उसके उपरांत ग्राम पंचायत मर्दापाल में मसाल रैली निकाली गई, जिसमें अतिथियों के द्वारा ग्रामीणों से आह्वान किया गया कि कुपोषण दूर करने में जनसहभागिता लें।

सुकमा में शिक्षित बेरोजगार महिलाओं के लिए प्लेसमेंट कैंप

सुकमा। जिला प्रशासन सुकमा द्वारा शिक्षित बेरोजगार महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सुकमा में मेगा प्लेसमेंट कैंप का सफल आयोजन किया गया। संचालन कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुकुंद ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया। इस मेगा प्लेसमेंट कैंप में जिले की विभिन्न विकासखंडों से आई कुल 85 शिक्षित महिला आवेदकों ने सहभागिता की। सभी आवेदकों का पंजीयन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। अगला चरण स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से मेडिकल परीक्षण के रूप में आयोजित किया जाएगा, जिसके उपरांत पात्र आवेदकों का अंतिम चयन नियमानुसार किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से इस प्रकार के रोजगारोन्मुखी शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। यह पहल महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरित कर रही है।

भागूटोला ने पेश की घुमंतू पशुओं की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण की मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

- 8-10 लोगों का समूह बनाकर चराते हुए मवेशी
- लगभग 350 घुमंतू पशुओं की हो रही सेवा
- देव पूर्णिमा पर सुहई पहनाकर की पूजा अर्चना
- कलेक्टर गोपाल वर्मा ने की प्रशंसा

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के भागूटोला ग्राम के निवासियों ने घुमंतू पशुओं की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण के क्षेत्र में अनुकरणीय पहल की है। ग्रामवासियों ने सामूहिक जिम्मेदारी की भावना से सड़कों और आसपास विचरण करने वाले पशुओं की देखभाल का दायित्व स्वयं उठाया है। इसके लिए गांव में बारी-बारी से आठ से दस व्यक्तियों का समूह प्रतिदिन इन पशुओं को चराने, खिलाने और उनकी देखरेख का कार्य करता है। वर्तमान में लगभग 300 से 350 घुमंतू पशुओं की नियमित सेवा की जा रही है।

देव पूर्णिमा के अवसर पर कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू ने भागूटोला पहुंचकर ग्रामवासियों से मुलाकात की तथा उनकी इस पहल की सराहना की। उन्होंने गौमाता को सुहई पहनाकर पूजा-अर्चना की और कहा कि यह पहल न केवल मानवीय संवेदनशीलता की परिचायक है, बल्कि इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी और पशु संरक्षण को प्रोत्साहन मिलेगा।

ग्रामवासी श्री पवन पटेल ने बताया कि तीन माह पूर्व ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया था कि घुमंतू पशुओं की सेवा और सुरक्षा का दायित्व वे स्वयं निभाएंगे। कलेक्टर श्री वर्मा ने इसे अन्य गांवों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बताया और ग्रामवासियों की एकजुटता एवं सेवा भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि ग्रामीण और स्वयं पशुपाल यह जिम्मेदारी ले ले तो न केवल निरीह पशुओं का भला होगा बल्कि यातायात और खेतों की सुरक्षा भी हो सकेगी।

इन्द्रावती नदी पार के 7 गांवों में लगा मेगा हेल्थ कैंप, कभी थे नक्सलगढ़

श्रीकंचनपथ समाचार

989 ग्रामीणों को मिला लाभ, इनमें 54 वरिष्ठ नागरिक भी शामिल

बीजापुर। कभी माओवाद की छाया में सिमटे बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक के इन्द्रावती नदी पार बसे गांवों में अब विकास की नई सुबह दिखने लगी है। छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति 2025 के सकारात्मक परिणाम अब नजर आने लगे हैं। बड़ी संख्या में माओवादियों के आत्मसमर्पण के बाद अब इन दुर्गम इलाकों में प्रशासन ने पहली बार सात गांवों में एक साथ मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया, जिसने ग्रामीणों के जीवन में उम्मीद की नई किरण जगा दी।

इस अभियान में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम शामिल रही। टीम ने उसपरी, बेलनार, सतवा, कोसलनार, ताड़पोट, उतला और इतामपार गांवों में स्वास्थ्य शिविर लगाए। कुल 989 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कैंप में सामान्य जांच के 777, रक्तचाप 371, मुख कैंसर 344, ब्रेस्ट कैंसर 112, नेत्र जांच 199, दंत जांच 154, टीकाकरण 14, संपूर्ण टीकाकरण 8, मलेरिया 156, क्षय रोग 7 तथा उल्टी-दस्त के 24 प्रकरणों की जांच की गई। इनमें 54 वरिष्ठ नागरिक भी शामिल रहे।

विशेषज्ञों ने एक बालक को हृदय रोग से ग्रस्त पाया, जिसे 'चिरायु योजना' के तहत उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाएगी। कैंप के दौरान बीमार ग्रामीणों का मौके पर ही उपचार कर मुफ्त दवाइयों का वितरण किया गया। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुरूप साहू और डॉ. बी.एस. साहू ने बताया कि अब दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो रही हैं, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद है। ग्रामीणों में भी अब भय की जगह विश्वास और आशा का माहौल दिखाई दे रहा है। वे शासन-प्रशासन से जुड़कर शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के प्रति सजग हो रहे हैं।

बीजापुर कलेक्टर संबित मिश्रा ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को बधाई देते हुए कहा शासन के निर्देशानुसार प्रशासन अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए संकल्पित है। 'नियद नेल्लानार योजना' के तहत अंदरुनी क्षेत्रों में विकास कार्यों में तेजी आई है और प्रशासन की टीमें पूरी तत्परता से काम कर रही हैं। जिससे बीजापुर में अब सकारात्मक बदलाव नजर आ रहे है।

बीजापुर में यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है, बल्कि यह संदेश भी दे रही है कि अब माओवाद नहीं, मुख्यधारा और विकास ही बीजापुर की नई पहचान बनेगा।

मोहला के 'हमर स्वस्थ लइका' को राज्योत्सव में मिला सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

मोहला। जिला प्रशासन मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी की अभिनव पहल हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम को राज्योत्सव 2025 के अवसर पर पोषण एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

यह सम्मान कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर एबिस ग्रुप से डॉ. पोलमी, यूनिसेफ छत्तीसगढ़ से डॉ. अपर्णा देशपांडे एवं डॉ. महेंद्र प्रजापति, तथा एम्स रायपुर से जॉन वरुण और विष्णु पाण्डे को सम्मानित किया गया। साथ ही जिला पोषण समन्वयक रूपेश चक्रधारी, ब्लॉक पोषण समन्वयक सतीश साहू, जसप्रीत कौर, तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की संपूर्ण टीम को कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

कलेक्टर तुलिका प्रजापति के दूरदर्शी नेतृत्व, सतत मार्गदर्शन और प्रोत्साहन का परिणाम है, जिसके अंतर्गत जिले में हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम ने बाल पोषण एवं मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।

कार्यक्रम के तहत पोषण पुनर्वास, सामुदायिक सहभागिता एवं तकनीकी नवाचारों के माध्यम से जिले में कुपोषण उन्मूलन की दिशा में सशक्त पहल की गई है, जिसे राज्य स्तर पर विशेष सराहना प्राप्त हुई है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री मिश्रा ने कहा यह सम्मान जिले की सशक्त टीम भावना, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के निष्ठापूर्ण कार्य, महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम के समर्पित प्रयासों, तथा सहयोगी संस्थाओं के सतत सहयोग एवं मार्गदर्शन का परिणाम है।

बिजली विभाग ने ऊर्जा प्रभार के बहाने बिल में जोड़े 500 से 2000

राष्ट्रीय न्यूज सर्विस

रायपुर। राजधानी में दीपावली तथा अन्य महत्वपूर्ण त्योहार मनाने के पश्चात विद्युत मंडल द्वारा अब बिजली बिल में ऊर्जा प्रभार जोड़ दिया गया है। जिसके कारण अब उपभोक्ताओं को लग रहा है कि दीपावली के बाद उनका दीवाला निकल जाएगा। फ्री यूनिट कम करने के बाद अब जोड़ा भारी भरकम ऊर्जा प्रभार।

छग विद्युत मंडल द्वारा मिली जानकारी के अनुसार बिजली के फ्री 400 यूनिट घटाकर 100 यूनिट किये जाने का झटका जहां आम उपभोक्ताओं को लगा है वहीं चालू माह में आए पिछले माह के बिजली बिल में ऊर्जा प्रभार का जोर का झटका दिया है इसके चलते लोग परेशान हो गये हैं।

मिली जानकारी के अनुसार पूर्ववर्ती सरकार ने चार सौ यूनिट से कम बिजली खपत होने पर उपभोक्ताओं को हाफ बिजली बिल देने की योजना लागू की थी जिससे मध्यम वर्ग एवं गरीबों को काफी रियायत मिली थी लेकिन नई सरकार के आते ही छग विद्युत मंडल को हो रहे घाटे तथा अन्य कारणों से यह सुविधा बंद कर दी गई है। जिसको लेकर कांग्रेसजनों ने विरोध जताया था।

इस समय विद्युत मंडल लाइन लॉस के नाम से करोड़ों रुपयों का घाटा हो रहा है। इसलिए विद्युत नियामक आयोग द्वारा जन सुनवाई के पश्चात विद्युत की नई दरें लागू कर दी गई है। यह दरें व्यावसायिक एवं घरेलू उपभोक्ताओं पर प्रभावशील हो रही है। ज्ञात रहे छग विद्युत मंडल द्वारा गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले विद्युत उपभोक्ताओं को भी बिजली बिल कम बल्कि नहीं के बराबर लिया जाता है।

वहीं छग विद्युत मंडल के अधिकारियों को भी बिजली बिल में छूट दी जाती है। बिजली बिल में ट्रांसमिशन लॉस तथा कोयले की बढ़ती कीमतें एवं विद्युत मंडल के कर्मचारियों की भारी भरकम तनख्वाह के कारण विद्युत मंडल घाटे में चल रहा है। इस समय विद्युत मंडल में चार इकाईयां है पहला ट्रांसमिशन, दूसरा प्रोडक्शन, एकाउंट सेक्शन और अन्य सेक्शन है इनमें से प्रमुख पारेषण एवं वितरण विभाग प्रमुख है।

राजधानी वासियों के अनुसार विद्युत मंडल की व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए पूर्व पश्चिम तथा उत्तर संभाग में इसको बांटा गया है। जहां पर अभी घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या लाखों में है। पश्चिम विद्युत संभाग के अधिकारियों का कहना है कि कोयले की बढ़ती दरों के कारण बिजली बिल में ऊर्जा प्रभार जोड़ा जा रहा है। जिसके कारण विद्युत मंडल की आर्थिक स्थिति में सुधार आने की संभावना है। इधर दीपावली के पश्चात आए बिजली बिल में ऊर्जा प्रभार लगा देने के बाद लोगों को दीवाली के पश्चात दीवाला निकलता नजर आ रहा है।

वंदेमातरम के 150 साल पूर्ण होने पर 7 से 26 तक विविध कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

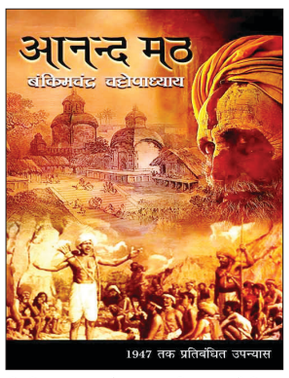

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी आगामी 7 नवम्बर से संविधान दिवस (26 नवम्बर) तक बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम्, जिसने करोड़ों लोगों को भारत माता की सेवा हेतु प्रेरित किया, रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। यह कार्यक्रम देश में 150 एवं प्रदेश में 7 स्थानों में आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व वन्देमातरम् कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी नन्दन जैन ने यह जानकारी दी। वन्देमातरम् कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी श्री जैन ने बताया कि भाजपा ने इस अवसर पर 7 नवम्बर को वंदे मातरम् का वाचन किया जाएगा। यह आयोजन सभी जिलों एवं शैक्षणिक संस्थानों में इसी प्रकार आयोजित किया जाएगा।

इस अवधि के दौरान सेमिनार, प्रदर्शनी, साहित्यिक प्रतियोगिताएँ, सोशल मीडिया अभियान, लेखों तथा साहित्य की तैयारी जैसे विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

श्री जैन ने बताया कि वाद्य यंत्रों के साथ या उनके बिना वंदे मातरम् का अभ्यास इस आयोजन का एक महत्वपूर्ण अंग होगा। आयोजन के दिन वंदे मातरम् का अभ्यास कर उसका सामूहिक गायन किया जाएगा। इसी दौरान एक स्वदेशी संकल्प पत्र को वंदे मातरम् के पाठ के पश्चात् सामूहिक रूप से दोहराया जाएगा।

वन्देमातरम् कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी श्री जैन ने बताया कि आगामी 7 नवम्बर को राजधानी के इनडोर स्टेडियम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में भव्य कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम के प्रभारी विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे हैं। इसी प्रकार बिलासपुर स्टेडियम में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम होगा जिसके प्रभारी पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल व महापौर पूजा विधानी हैं।

अम्बिकापुर के पी.जी. कॉलेज के सभागार में होने वाले कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि होंगे। यहाँ प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी व महापौर मंजुला भगत प्रभारी हैं।

जगदलपुर के डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी टाउनहाल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम होगा। यहाँ कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप व महापौर संजय पाण्डेय कार्यक्रम प्रभारी हैं।

दुर्ग में बीआईटी कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि होंगे। यहाँ जितेंद्र वर्मा व महापौर अलका बाघमार को प्रभारी बनाया गया है।

रजत जयंती उत्सव में छत्तीसगढ़ की विकास गाथा देखने उमड़े लोग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष पर नवा रायपुर अटल नगर स्थित दीनदयाल परिसर में आयोजित पाँच दिवसीय राज्योत्सव के अंतिम दिन जनसम्पर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी में आम नागरिकों का उत्साह देखते ही बन रहा है। छत्तीसगढ़ - प्रकृति, संस्कृति और प्रगति का संगम थीम पर आधारित इस प्रदर्शनी में राज्य की 25 वर्षों की विकास यात्रा को रोचक और सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया है।

प्रदर्शनी में राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं, आधारभूत संरचना के विकास, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक उत्थान, पर्यावरण संरक्षण तथा डिजिटल प्रगति को आकर्षक दृश्य प्रस्तुति और सूचनाप्रद छायाचित्रों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इसके माध्यम से आम नागरिक राज्य शासन की योजनाओं और उपलब्धियों को सरल एवं सहज रूप से समझ पा रहे हैं। राज्योत्सव स्थल पर पहुँचे खैरागढ़ के ग्राम सिंगारपुर के सुभाष निषाद, प्रेरणा निषाद और प्रणव निषाद ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विकास का संतुलित एवं प्रेरक चित्रण किया गया है।

रायपुर के अमलीडीह से आई निशा ध्रुव, मोहिनी ध्रुव और अनीता भारती ने बताया कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से उन्हें शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। वहीं संजय नगर से पहुँची ममता पाटिल ने कहा कि प्रदर्शनी में लगा 360 डिग्री इमर्सिव डोम बेहद आकर्षक और जानकारीपूर्ण रहा। उन्होंने बताया कि इस डोम में अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा, प्रमुख योजनाओं और राज्य की प्रगति को रोचक दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति के जरिए प्रदर्शित किया गया है, जो दर्शकों को वास्तविक अनुभव प्रदान करता है।

उरकुरा से आई प्रिया, मुस्कान, ख्याति, जानवी रजक, भुनेश्वरी जायसवाल और तारिणी साहू ने प्रदर्शनी का उत्साहपूर्वक अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी से उन्हें राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं और समृद्ध संस्कृति की गहन जानकारी मिली।

प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और परंपरा को दर्शाने वाले पारंपरिक वाद्य यंत्रों का भी प्रदर्शन किया गया है। लोग इन वाद्यों को बड़ी उत्सुकता से देखते हुए फोटो भी क्लिक कर रहे हैं। प्रदर्शनी में आगंतुकों को 'जनमन' पत्रिका और शासन की विभिन्न योजनाओं से संबंधित ब्रोशर निःशुल्क वितरित की जा रही है।

विधायक लखेश्वर आदिवासी कांग्रेस के सदस्य बने

जगदलपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस की सलाहकार समिति एवं विशेष आमंत्रित सदस्य, साथ ही पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए ट्राइबल एडवाइजरी कौंसिल का गठन किया है। समिति में वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल को सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

राज्योत्सव के मंच पर छत्तीसगढ़ी रंग और सुरों की गूंज, पूनम विराट तिवारी के लोकमंच व कैलाश खेर के सुरों से झूम उठे श्रोता

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय राज्योत्सव 2025 का समापन सांस्कृतिक रंगों और संगीत की मनमोहक प्रस्तुति के साथ हुआ। समापन दिवस की संध्या ने छत्तीसगढ़ी परंपरा, संगीत और लोकसंस्कृति का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक पंथी-कर्मा नृत्य से हुआ। ढोल-मांदर की थाप और सामूहिक नृत्य मुद्राओं ने मंच को जीवंत बना दिया। पारंपरिक वेशभूषा और छत्तीसगढ़ी लोकताल की थिरकन ने पूरे वातावरण को राज्य की माटी की महक से भर दिया।

लोकमंच पर पूनम विराट तिवारी की सुमधुर प्रस्तुति ने बांधा समां

लोककला की सशक्त प्रतिनिधि श्रीमती पूनम विराट तिवारी ने अपने लोकमंच से राज्योत्सव की शाम को लोकगीतों की भावनाओं से सराबोर कर दिया। उन्होंने चोला माटी के राम, छत्तीसगढ़ मया के धरती और अरपा पैरी के धार जैसे गीतों के माध्यम से लोकजीवन की सादगी, करुणा और भक्ति को अभिव्यक्त किया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शक तालियों की गड़गड़ाहट के साथ झूम उठे।

संगीतमय समापन में गूंजे कैलाश खेर के सूफियाना सुर

समारोह का चरम क्षण तब आया जब मंच पर पहुंचे देश के सुप्रसिद्ध पार्श्वगायक श्री कैलाश खेर।उन्होंने अपनी अनूठी आवाज़ में पिया के रंग रंग दीन्ही ओढ़नी,आदि योगी,कौन है वो कौन है वो कहां से वो आया,बुमलहरी और क्या कभी अम्बर से' जैसे गीत प्रस्तुत किए। उनकी सुमधुर गायकी ने दर्शकों को भावनाओं के संगीत के सागर में डुबो दिया। कैलाश खेर ने कहा कि छत्तीसगढ़ केवल संस्कृति की धरती नहीं, बल्कि यह संगीत, संवेदना और सादगी का प्रतीक है। मुझे गर्व है कि मैं इस पवित्र भूमि के उत्सव का हिस्सा बना।

कार्यक्रम में दिखा लोकधुनों और सूफियाना संगीत का अद्भुत संगम

समापन समारोह में लोक, शास्त्रीय और आधुनिक संगीत का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता को एक सूत्र में पिरो दिया। राज्य के लोक कलाकारों के समूह नृत्य, पारंपरिक वेशभूषा और उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों ने वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

हजारों दर्शकों की मौजूदगी में हुआ राज्योत्सव का भव्य समापन

राज्योत्सव की इस अंतिम संध्या में हजारों दर्शकों की उपस्थिति रही।पूरा पंडाल तालियों और झूमते कदमों से गूंज उठा। राज्योत्सव 2025 का यह समापन समारोह छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के संगीतमय मेल का जीवंत उदाहरण बन गया।

अनन्या पांडे को रिप्लेस करने पर तान्या मानिकतला ने तोड़ी चुप्पी, दूसरी फिल्म में राजकुमार राव संग आएंगी नजर

फिल्म जगत में इन दिनों एक सवाल खूब चर्चा में है- क्या मीरा नायर की मच अवेटेड फिल्म 'अमरी' में तान्या मानिकलता ने अनन्या पांडे की जगह ले ली है? सोशल मीडिया पर खबरें फैलीं कि 'किल' फेम तान्या अब लीजेंडरी पेंटर अमृता शेरगिल की भूमिका निभाने जा रही हैं। लेकिन हाल ही में तान्या ने खुद सामने आकर इन अफ़वाहों पर रोक लगा दी और साफकहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

तान्या मानिकलता का बयान

'हिंदुस्तान टाइम्स' से बातचीत करते हुए तान्या ने कहा, 'मुझे नहीं पता ये खबर कहां से आई। हमारे पास इस फिल्म को लेकर कोई जानकारी नहीं है। इसलिए इस पर टिप्पणी करना सही नहीं होगा।' उनके इस बयान के बाद यह लगभग तय हो गया कि 'अमरी' फिल्म के लिए अभी तक कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। दूसरी ओर तान्या ने अपनी एक और फिल्म में राजकुमार राव संग काम करने की बात पर मुहर लगा दी है। हालांकि उन्होंने खुलकर प्रोजेक्ट पर बात नहीं की लेकिन राजकुमार के साथ काम करने की बात को स्वीकार लिया।

मीरा नायर का सपना- 'अमरी'

'अ सूटेबल बॉय' के बाद निर्देशक मीरा नायर अब एक ऐसी महिला कलाकार की कहानी पर काम कर रही हैं, जिसने भारतीय कला को नई दिशा दी। 'अमरी' नाम की यह फिल्म अमृता शेरगिल की जिंदगी पर आधारित है- एक ऐसी पेंटर जिनकी कलाकृतियों ने 20वीं सदी के शुरुआती दौर में भारतीय समाज की आत्मा को रंगों में पिरोया। फिल्म में उनकी कला, संघर्ष, और व्यक्तिगत रिश्तों की जटिल परतों को दिखाया जाएगा। मीरा नायर ने इस फिल्म की घोषणा तब की थी जब 'अ सूटेबल बॉय' की अंतरराष्ट्रीय सफलता मिली थी। उन्होंने कहा था कि वह अमृता शेरगिल की कहानी को एक महिला कलाकार की आज़ादी और अस्तित्व के संघर्ष के रूप में पेश करना चाहती हैं।

अमृता शेरगिल- भारत और यूरोप के बीच सेतु

अमृता शेरगिल न केवल भारतीय आधुनिक कला की अग्रदूत थीं, बल्कि उन्होंने भारतीय और यूरोपीय संस्कृति के बीच एक सेतु का काम किया। उनके ब्रश की हर रेखा में भारत की मिट्टी की सोंधापन और यूरोप की कलात्मक तकनीक का मेल नजर आता था। उन्होंने महिलाओं के जीवन, देहाती भारत, और सामाजिक यथार्थ को अपने कैनवास पर ऐसे उतारा कि उनकी हर पेंटिंग आज भी जीवंत लगती है। मात्र 28 वर्ष की उम्र में 1941 में उनका निधन हो गया, लेकिन उनके काम ने आने वाली पीढ़ियों के कलाकारों को दिशा दी।

तीन देशों में शूट होगी कहानी

सूत्रों के मुताबिक, 'अमरी' की शूटिंग भारत, हंगरी और फ्रांस के विभिन्न हिस्सों में की जाएगी। वहीं जगहें जहां अमृता ने अपनी जिंदगी के सबसे अहम पल बिताए थे। कहानी उनके पिता उमराव सिंह शेरगिल, पति विक्टर एगन, मंगेतर यूसुफ अली खान और मित्र जवाहरलाल नेहरू जैसे लोगों से जुड़ी भावनात्मक कड़ियों को भी छुएगी। फिल्म के लिए निर्माता कुछ प्रतिष्ठित कलाकारों जैसे विक्की कौशल, जिम सर्भ और नसीरुद्दीन शाह से भी बातचीत कर चुके हैं।

सामने आया 'पेद्दी' के पहले गाने 'चिकिरी' का प्रोमो, निर्देशक ने बताया शब्द का असली मतलब

अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में राम चरण लीड रोल में हैं। उनके साथ बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर होंगी। इसका निर्देशन बूची बाबू साना कर रहे हैं। निर्माताओं ने आज फिल्म के गाने 'चिकिरी' की एक झलक सोशल मीडिया पर दिखाई है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में यह जानकारी भी दी गई है कि पूरा गाना कब रिलीज होगा?

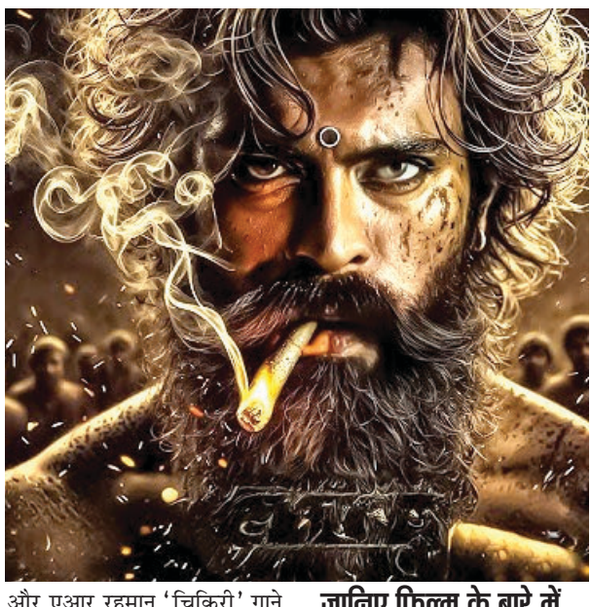

सोशल मीडिया पर सामने आई गाने की झलक

इंस्टाग्राम पर 'पेद्दी' के निर्माताओं ने गाने की झलक दिखाई है। इसमें पहाड़ों और गांव के दृश्य हैं। राम चरण बैठकर डांस कर रहे हैं। डांस करते हुए वह काफी खुश हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा है ''पेद्दी' के पहले गाने चिकिरी-चिकिरी का प्रोमो आ गया है। पूरा गाना 07 नवंबर को रिलीज होगा।' पोस्ट में यह भी जानकारी है कि गाने का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है और मोहित चौहान ने इसे आवाज दी है।

गाने को रिलीज करने से पहले निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें 'पेद्दी' के निर्देशक बूची बाबू साना और एआर रहमान 'चिकिरी' गाने के बारे में बातचीत कर रहे हैं। बुची बाबू साना कहते हैं 'जब मैं सातवीं कक्षा में पढ़ रहा था तब मेरे भाई ने मुझे आपके गाने के बारे में बताया था।' उन्होंने आगे बताया कि 'जब आपने 'पेद्दी' के लिए हामी भरी तो मैंने इसके बारे में अपने भाई को बताया तो वह तालियां बजाने लगा।' एआर रहमान ने निर्देशक से गाने में 'चिकिरी' का मतलब पूछा तो उन्होंने बताया 'नायक के गांव में, पुरुष सुंदर महिलाओं को प्यार से चिकिरी कहते हैं।'

जानिए फिल्म के बारे में, कब हो रही है रिलीज

बताया जाता है कि फिल्म 'पेद्दी' में अभिनय करने के लिए राम चरण ने अपने आप में कई बदलाव किए। इसमें जान्हवी कपूर अचियम्मा नाम का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा अहम किरदार में होंगे। 'पेद्दी' 27 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दिन रामचरण का जन्मदिन भी है।

जब निर्देशक मेरे कमरे में घुसा और', फराह खान का खुलासा; बताया कैसे डायरेक्टर को सिखाया सबक

फराह खान बॉलीवुड की एक मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक हैं। इसके अलावा वो कई रियलिटी शोज की जज भी रही हैं। अब वो फिलहाल अपने यूट्यूब चैनल में सबसे ज्यादा व्यस्त रहती हैं। जहां वो अपने कुक दिलीप के साथ अलग-अलग सेलेब्स के घर पहुंचती हैं या उन्हें अपने घर बुलाती हैं। इस बीच अब फराह खान ने अपने साथ हुए एक उस अजीबोगरीब हादसे को याद किया, जब एक निर्देशक उनके कमरे में घुस गया था।

फराह खान अनन्या पांडे के साथ काजोल और ट्विंकल खन्ना के टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के नए एपिसोड में नजर आईं। इस दौरान फराह ने अपने करियर, निजी जीवन और अपनी जर्नी को साझा किया। इसी दौरान फराह ने उस घनटाक्रम को भी याद किया, जब एक निर्देशक कमरे में उनके ज्यादा ही करीब आने लगा था। फराह ने बताया कि तुम्हें पता है ट्विंकल, मैं कितनी हॉट थी। तुम्हें उस निर्देशक के बारे में पता है जब उसने मेरे ऊपर डोरे डालने की कोशिश की थी?

जब मैं बिस्तर पर थी, तब वह किसी गाने या किसी और चीज पर बात करने के लिए मेरे कमरे में आया और मेरे बगल में आकर बैठ गया। इसके बाद मुझे उसे वहां से लात मारकर निकालना पड़ा। फराह की ये बात सुनकर ट्विंकल और काजोल हंसने लगे। इसके बाद ट्विंकल ने इस किस्से पर हामी भरते हुए कहा कि वह निर्देशक किसी भी हालत में फराह के पीछे पड़ा रहा। आखिर इसे उसे लात मारनी पड़ी। यह सब हुआ। मैं खुद इसकी गवाह थी।

फराह ने बताया सेट पर क्यों होते हैं अफेयर्स

इस एपिसोड के दौरान फराह ने ये भी बताया कि उन्हें समझ में आ गया है कि सेट पर अफेयर्स क्यों होते हैं। साथ ही उन्होंने ये भी साझा किया कि आखिर क्यों उन्होंने क्यों बोमन ईरानी के साथ 'शिरीन फरहाद की तो निकल पड़ी' में काम किया। फराह ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसा क्यों किया। शायद मैं बेकार बैठी थी और फिर बोमन ने मुझे फोन किया और संजय भंसाली मेरे घर आए। उन्होंने कहा कि मैं हर दिन सेट पर रहूंगा। इस फिल्म में मुझे बोमन के साथ काम करके अच्छा लगा। लेकिन इसके बाद मैंने तय कर लिया कि एक्टिंग मेरे बस की बात नहीं है। मुझे इससे नफरत थी। आपको बस बैठकर इंतजार करना होता है। फराह ने बताया कि मैंने बोमन से कहा कि अब मुझे पता चला कि लोग सेट पर अफेयर क्यों करते हैं। यह बस बोरियत के कारण होता है।

यूट्यूब चैनल में व्यस्त हैं फराह

फराह खान की बात करें तो वो इन दिनों अपने यूट्यूब चैनल को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। जहां सेलेब्स उनके साथ नजर आते हैं। वो या तो सेलेब्स के घर का टूर करती हैं या फिर सेलेब्स उनके घर आते हैं।

लखपति दीदी महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण समृद्धि की मिसाल-उपराष्ट्रपति

यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला सशक्तिकरण की जीवंत तस्वीर - राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजनांदगांव के स्टेट हाई स्कूल मैदान में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में देश के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने महतारी वंदन योजना और नियद नेल्लानार योजना के तहत 69 लाख 15 हजार 273 हितग्राहियों को कुल 647 करोड़ 28 लाख 36 हजार 500 रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि लखपति दीदी आत्मनिर्भरता और सम्मान का प्रतीक हैं। यह केवल आय का कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और समाज में उनके बढ़ते प्रभाव का उत्सव है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव जिला महिला सशक्तिकरण का उदाहरण बन चुका है, जहां महिलाएं आर्थिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर अग्रसर हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए चल रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ आज बिजली उत्पादन, स्वास्थ्य, शिक्षा और अधोसंरचना के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि लखपति दीदी आंदोलन दिखाता है कि जब महिलाएं संगठित होती हैं, तो परिवर्तन की गाथाएं स्वयं लिखती हैं।

अपने संबोधन में राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि लखपति दीदी सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की जीवंत तस्वीर है। यह सम्मेलन इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, संकल्प और आत्मबल से कैसे समृद्धि का नया अध्याय लिखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आज हर जिले में महिलाएं स्वसहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से सक्षम हो रही हैं। बलरामपुर में महिलाएं बाड़ी विकास और विपणन में, बस्तर में वनोपज से जैविक उत्पाद तैयार करने में, और कोण्डागांव में फूड प्रोसेसिंग, सिलाई-कढ़ाई जैसे कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं।

राजनांदगांव जिले में ही लगभग 40 हजार लखपति दीदियां बनी हैं, जिनमें से 208 दीदियां सालाना 5 लाख रुपए से अधिक और 26 दीदियां 10 लाख रुपए से अधिक का व्यवसाय कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हर दीदी की कहानी प्रेरणा है। जब संकल्प और सामूहिक प्रयास जुड़ते हैं, तो आत्मनिर्भरता केवल सपना नहीं रहती, वह हकीकत बन जाती है। राज्यपाल ने पद्मश्री फूलबासन बाई यादव जैसी महिलाओं के कार्यों को आदर्श बताते हुए कहा कि उनके प्रयासों से नारी सशक्तिकरण का मार्ग और सशक्त हुआ है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला उद्यमिता और स्वरोजगार के लिए देशभर में अनेक योजनाएं चल रही हैं, और छत्तीसगढ़ ने उन्हें ज़मीन पर उतारकर एक सशक्त भारत, सशक्त छत्तीसगढ़ की मिसाल पेश की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश में 7 लाख 82 हजार लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से अब तक 4 लाख 93 हजार दीदियां आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना से 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नियद नेल्लानार योजना से बस्तर के दूरस्थ इलाकों में बिजली, पानी और सड़क जैसी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि लखपति दीदी सम्मेलन नारी शक्ति की पहचान और आत्मनिर्भरता की मिसाल है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव जिले ने विकास की दिशा में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं चाहे वह पीएम आवास निर्माण हो, जल संरक्षण या कुपोषण उन्मूलन का अभियान।

उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करने हेतु पद्मश्री फूलबासन बाई यादव के योगदान की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, श्रम कल्याण मंडल अध्यक्ष योगेशदत्त मिश्रा, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिला स्वसहायता समूह की दीदियां उपस्थित थीं।

छत्तीसगढ रजत महोत्सवः उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने छत्तीसगढ़ के 34 अलंकरण से 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के राज्य अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ के 34 अलंकरण से विभिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट योगदान देने वाले 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अलंकरण समारोह के अति विशिष्ट अतिथि तथा विशिष्टि अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकगण उपस्थित थे।

राज्य अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन एवं मुख्यमंत्री साय ने शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार हिरेश सिन्हा जिला कांकेर को प्रदान किया। यति यतनलाल सम्मान भारतीय कुष्ठ निवारक संघ, कात्रे नगर सोठी जिला जांजगीर-चांपा, गुण्डाधूर सम्मान ज्ञानेश्वरी यादव राजनांदगांव, मिनीमाता सम्मान ललेश्वरी साहू दुर्ग, गुरूघासीदास सम्मान संयुक्त रूप से भुवनदास जांगड़े बेमेतरा एवं शशि गायकवाड़ बलौदाबाजार-भाटापारा, ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति डोमा जिला धमतरी, हबीब तनवीर सम्मान डॉ. कुंज बिहारी शर्मा जिला रायपुर, महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान सुश्री चांदनी साहू जिला बिलासपुर को प्रदान किया गया। इसी प्रकार पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान राजेश अग्रवाल जिला रायपुर, पंडित सुंदरलाल शर्मा

सम्मान डॉ. चिंतरंजन कर जिला रायपुर, चक्रधर सम्मान पंडित कीर्ति माधव लाल व्यास जिला दुर्ग, दाऊ मंदराजी सम्मान रिखी क्षत्रिय जिला दुर्ग, डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार संयुक्त रूप से थनेन्द्र कुमार साहू जिला धमतरी एवं वामन कुमार टिकरिहा जिला बलौदाबाजार, महाराजा अग्रसेन सम्मान राजेन्द्र अग्रवाल राजू जिला बिलासपुर, चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रिंट मीडिया हिन्दी डॉ. संदीप कुमार तिवारी रायपुर एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हिन्दी का पुरस्कार संयुक्त रूप से डॉ. सोमेश कुमार पटेल एवं अभिषेक शुक्ला रायपुर, मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रिंट मीडिया अंग्रेजी भावना पाण्डेय जिला दुर्ग, दानवीर भामाशाह सम्मान नीरज कुमार बाजपेयी जिला राजनांदगांव, धन्वन्तरि सम्मान डॉ. अजय कृष्ण कुलश्रेष्ठ, बिलासादेवी केंवट मत्स्य विकास पुरस्कार सुखदेव दास जिला रायपुर को प्रदान किया गया।

इसी तरह डॉ. भंवरसिंह पोर्ते आदिवासी सेवा सम्मान जंगो रायतार विद्या केतुल शिक्षण संस्था ग्राम दमकसा जिला कांकेर, रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार संयुक्त रूप से मिथलेश कुमार आदिल एवं अग्रसर टीम जिला दुर्ग तथा एनटीपीसी लिमि. लारा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट पुसौर जिला रायगढ़ , पंडित लखनलाल मिश्र सम्मान योगेश कुमार साहू जिला कांकेर, छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान मनीष तिवारी जिला रायपुर, देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार रोहित कुमार कोसरिया जिला महासमुंद, किशोर साहू सम्मान सुनील सोनी जिला रायपुर, लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान राकेश तिवारी जिला रायपुर, लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार डॉ. विनोद कुमार वर्मा जिला बिलासपुर, किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण अनुराग बसु मुम्बई को प्रदान किया गया।

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान संयुक्त रूप से खेमचंद जैन राजनांदगांव, डॉ. सुरेश मणि त्रिपाठी, डॉ. भूपेन्द्र करवंदे एवं भरतलाल सोनी रायपुर को, वीरांगन अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार प्रेमशीला बघेल महासमुंद को, माता बहादुर कलारिन सम्मान शिल्पा पाण्डेय सृष्टि जिला सरगुजा को, पंडित माधव राव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान अवधेश कुमार नई दिल्ली तथा संस्कृत भाषा सम्मान डॉ. दादू भाई त्रिपाठी जिला रायपुर को प्रदान किया गया।

उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन से मुख्यमंत्री साय ने की भेंट

रायपुर। उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल डेका उपस्थित थे।

उप राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजभवन में आधुनिक असम के सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले बहुमुखी प्रतिभा के धनी, भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर प्रसन्ना एवं राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने श्री हजारिका के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत होम-टू-होम एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय लंगेह के मार्गदर्शन में महासमुंद जिले में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एआईआर) की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। आयोग के निर्देशानुसार जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में होम-टू-होम एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना पत्रक) का वितरण बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा शुरू कर दिया गया है।

बुधवार से महासमुंद विधानसभा, खल्लारी विधानसभा, बसना विधानसभा तथा सरायपाली विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारी घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से एन्यूमरेशन फॉर्म भरवा रहे हैं। यह अभियान 4 दिसम्बर 2025 तक संचालित रहेगा। प्रत्येक मतदाता को दो प्रतियों में गणना पत्रक उपलब्ध कराया जा रहा है जिसमें एक प्रति मतदाता के पास तथा दूसरी प्रति बूथ लेवल अधिकारी के पास सुरक्षित रखी जाएगी। इस प्रक्रिया

का उद्देश्य मतदाता सूची में प्रत्येक मतदाता का नाम, पता एवं अन्य विवरणों को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा ने बताया कि जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केन्द्रों में यह कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुका है। इस कार्य के लिए कुल 4 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बूथ लेवल अधिकारी एवं बी.एल.ओ. सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि मतदाता चाहें तो गणना पत्रक ऑनलाइन माध्यम से भी भर सकते हैं।

इसके लिए निर्वाचन आयोग की वेबसाइट voters.eci.gov.in पर लॉगइन कर अपनी जानकारी एवं फोटो अपलोड करनी होगी। कलेक्टर लंगेह ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य जिले के प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल करना तथा मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाए रखना है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

तुंहर टोकन मोबाइल ऐप से किसान अब स्वयं ले सकेंगे टोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के कुशल निर्देशन और मार्गदर्शन में जिले में किसानों की सुविधा और पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से 15 नवंबर से तुंहर टोकन मोबाइल एप के माध्यम से टोकन जारी करने की नई व्यवस्था लागू की जा रही है। यह पहल न केवल तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि इससे किसानों को पारदर्शी, सुरक्षित और सुगम प्रणाली का लाभ मिलेगा।

नई व्यवस्था के तहत, प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से किसान तुंहर टोकन मोबाइल एप के माध्यम से स्वयं टोकन प्राप्त कर सकेंगे। सोसायटी संचालक भी पिछले वर्ष की तरह सुबह 9:30 बजे से टोकन जारी करना आरंभ करेंगे। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अगले 7 खरीदी दिनों के लिए अग्रिम टोकन जारी किए जा सकेंगे। कलेक्टर ध्रुव ने बताया कि टोकन में दर्ज धान की मात्रा डीसीएस, गिरदावरी, पीवी के अनुसार पंजीकृत रकबे से अधिक नहीं होगी, जिससे खरीदी प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। इसके

साथ ही, लघु और सीमांत किसानों को अधिकतम 2 टोकन तथा बड़े किसानों को अधिकतम 3 टोकन की अनुमति दी गई है। यह व्यवस्था छोटे किसानों को प्राथमिकता देने और खरीदी प्रक्रिया में संतुलन बनाए रखने की दृष्टि से की गई है। टोकन जारी करने के दौरान आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण को अनिवार्य किया गया है, जिससे प्रत्येक किसान की पहचान सत्यापित होगी और किसी भी प्रकार के अनधिकृत टोकन जारी होने पर रोक लगेगी। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि इस डिजिटल प्रणाली से खरीदी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और किसान हितैषी बनेगी।

प्रशासन का लक्ष्य है कि प्रत्येक किसान को बिना किसी परेशानी के उसका उचित अधिकार और सुविधा समय पर प्राप्त हो।

जनदर्शन : कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियाद सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए। जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल एवं निगम आयुक्त अमित कुमार ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिया।

जनदर्शन में आज कोटा ब्लॉक के ग्राम खैरा के ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन देकर बताया कि गांव के ही धीरेन्द्र कुमार साहू ने सरकारी रास्ते में घर बनवाना शुरू कर दिया है जिससे किसानों को अपनी फसल घर और खलिहान तक ले जाने में दिक्कत हो रही है। कलेक्टर ने उनका आवेदन एसडीओ कोटा को भेजते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनपद पंचायत बिल्हा के ग्राम सारधा के सरपंच ने कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन

सौंपा। सरपंच ने बताया कि उनके ग्राम पंचायत में उचित मूल्य की दुकान के लिए भवन की आवश्यकता है। वर्तमान में पंचायत भवन का उपयोग कर राशन वितरण का कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर अग्रवाल ने इस मामले को सीईओ जनपद पंचायत को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मस्तूरी ब्लॉक के ग्राम दर्रीभाठा निवासी बांके विश्वकर्मा और रोहित चंद्राकर ने कलेक्टर से मुलाकात कर बताया कि गांव के ही श्री निर्दोष चंद्राकर द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा कर मकान बनाया जा रहा हैं।

उन्होंने नलजल योजना के तहत लगे सार्वजनिक नल को भी अपने बाउन्ड्रीवॉल में लगा लिया है। इस मामले की जांच एसडीओ मस्तूरी करेंगे। ग्राम पंचायत पत्थरखान के ग्रामीणों ने अटल चौक से सुलभ शौचालय तक रोड निर्माण की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत पत्थरखान में अटल चौक से सुलभ शौचालय तक कच्ची सड़क है जिससे आने जाने एवं रात के समय गांववासियों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

कलेक्टर अग्रवाल ने इस मामले को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत सारधा के आश्रित ग्राम खेकसही के ग्रामीणों ने कलेक्टर से मुलाकात कर बताया कि उन्हें नल जल योजना के अंतर्गत किसी प्रकार की कोई सुविधाएं नहीं मिल रही है। योजना के तहत हर घर में पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल पहुंचाना था लेकिन ग्रामीण सुविधाओं से वंचित है। कलेक्टर ने पीएचई विभाग के कार्यपालन अभियंता को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रुपयों का थैला हाथ से छिनकर फरार हुए बदमाश, बैंक से 70 हजार निकालकर लाया था शख्स

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक शख्स लूट का शिकार हो गया। बताया जा रहा है कि वह बैंक से 70 हजार रुपये निकालकर घर जा रहा है। इस बीच रास्ते में बाइक सवार दो बदमाशों ने उसके साथ लूटपाट की। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है, मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक, ग्राम मुकडेगा के रहने वाले अर्जुन दास महंत 57 साल ने लैलूंगा थाना में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि वह बाइक से बैंक गया था, जहां अपने खाता से 70 हजार रुपये निकाल कर उसे कपडे के थैला में रखकर वापस अपने गांव लौट रहा था। बाइक सवार मदनलाल भगत और अर्जुन दास महंत जब कोतबा बाईपास के पास पहुंचे ही थे कि पीछे की तरफ से बाइक पर सवार होकर दो अज्ञात युवक आए जिसमें बाइक चला रहा बदमाश हेलमेट पहने था तो दूसरे ने कपड़े से चेहरा ढ़का हुआ था। पीड़ित ने बताया कि बाइक सवार बदमाशों ने उसके हाथ से थैला को झपटामारकर छिन लिया और कोतबा की और भागने लगे। आसपास काफी खोजबीन करने के बावजूद आरोपियों का पता नहीं चलने पर पीड़ित ने मामले की शिकायत लैलूंगा थाने में की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रायगढ़ में मवेशी तस्करी नाकामः बूचड़खाने ले जाए जा रहे 17 गौवंश बरामद

रायगढ़। जिले के खरसिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पलगढ़ा बेरियर में वन विभाग की टीम ने दो पिकअप वाहनों में भरे 17 मवेशियों को पकड़ा है। इस दौरान एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरा चालक मौके से फरार हो गया। दोनों के खिलाफ पशु क्रुरता अधिनियम की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, पलगढ़ा बेरियर में पदस्थ वन विभाग के भृत्य दिनेश कुमार साहू ने पुलिस को सूचना दी कि 3 नवंबर की रात ड्यूटी के दौरान तड़के करीब 4 बजे दो पिकअप वाहनों को बेरियर से गुजरते हुए रोका गया। जांच में पिकअप क्रमांक ओडी 14 वाई 1362 में 9 गायें और पिकअप क्रमांक जेएच 03 जे 7840 में 8 बैल लदे मिले। दोनों वाहनों में मवेशियों को ठूंस-ठूंसकर क्रुरता पूर्वक भरकर ले जाया जा रहा था। जांच के दौरान एक चालक अमानत शेख (20 वर्ष), निवासी रोकबहार थाना बागबहार को मौके से गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरा चालक वाहन छोड़कर भाग निकला। बताया जा रहा है कि दोनों मवेशियों को अवैध रूप से बूचड़ खाने ले जा रहे थे, लेकिन वन विभाग की चौकसी से उनके मंसूबे विफल हो गए। फारेस्ट विभाग के भृत्य दिनेश कुमार साहू की शिकायत पर खरसिया पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिहान की बुक-कीपर पचा गई महिला समूहों की किस्त

9 महिला समूहों की 6 लाख रूपए से अधिक राशि को बैंक नहीं भेजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में बिहान योजना के तहत बने महिला स्व-सहायता समूहों में आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश करने वाली महिलाएं अब ठगी की शिकार हो गई हैं।

थाना पुलगांव क्षेत्र के ग्राम कोटनी में महिला स्व-सहायता समूहों की राशि के गबन का मामला सामने आया है। ग्राम की ही एक महिला मनीता निषाद जो अलग-अलग समूहों में बुक कीपर के रूप में कार्यरत थी। उस पर करीब 6 लाख 19 हजार 420 रुपए की राशि गबन करने का आरोप लगा है। मामला सामने आने के बाद पुलगांव थाना पुलिस ने धारा 420 और 406 भादंवि के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रार्थी ग्राम कोटनी की हेमकल्याणी साहू ने बताया कि वो रगति स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष हैं।

अलग-अलग समूहों ने स्वरोजगार के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, नगपुरा शाखा से ऋण लिया था। समूह की सदस्याएं किस्तों में राशि जमा करने के लिए मनीता निषाद को नगद देती थीं, जिसे बैंक में जमा कराना उसकी जिम्मेदारी थी। लेकिन उसने वह राशि बैंक में जमा न कर अपने पास रख ली। 9 महिला समूहों से धोखाधड़ी आवेदिका हेमकल्याणी साहू, निवासी ग्राम कोटनी एवं प्रगति स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष ने थाना पुलगांव में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया है कि ग्राम पंचायत कोटनी में बिहान योजना के अंतर्गत गठित 9 महिला स्व-सहायता समूहों की राशि मनीता निषाद ने धोखाधड़ी पूर्वक अपने पास रख ली।

बैंक ने भेजा नोटिस तो खुला मामला

बैंक ने जब 5 नवम्बर 2023 को नोटिस जारी कर यह जानकारी दी गई कि कई समूहों की किस्तें जमा नहीं हुई हैं, तब यह पूरा मामला सामने आया। इसके बाद ग्राम में फरवरी 2024 में एक बैठक (चौपाल) रखी गई, जिसमें मनीता निषाद को राशि लौटाने के लिए कहा गया। लेकिन उसने पैसे लौटाने के बजाय 4 मार्च 2024 की रात को गांव छोड़कर भाग गई। इसके बाद वे 17 महीने तक फरार रही। महिलाओं ने बताया कि करीब 17 माह बाद मनीता निषाद गांव वापस लौटी, जिसके बाद सभी समूहों की महिलाएं फिर से एकजुट होकर थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचीं।

9 समूहों से इस तरह की गई ठगी

बुक कीपर ने सरस्वती महिला स्व-सहायता समूह से 60000 रुपए, मां बगदई महिला स्व-सहायता समूह से 1 लाख 44000 रुपए, लक्ष्मी महिला स्व-सहायता समूह से 40000 रुपए, एकता महिला स्व-सहायता समूह से 1 लाख 92000 रुपए, सखी महिला स्व-सहायता समूह से 10400 रुपए, धनलक्ष्मी महिला स्व-सहायता समूह से 33000 रुपए, दुर्गा महिला स्व-सहायता समूह से 87720 रुपए, गरीमा महिला स्व-सहायता समूह से 20000 रुपए तथा प्रज्ञा महिला स्व-सहायता समूह से 32300 रुपए ठगे। कुल 6,19,420 रुपए की ठगी की गई। 9 महिला समूहों की 6 लाख रुपए से अधिक राशि को बैंक नहीं भेजा ।

पुलिस ने शुरू की जांच

थाना पुलगांव पुलिस ने बताया कि आवेदन की जांच के बाद प्रथम दृष्टया मामला धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वास भंग का पाया गया, जिस पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई है। गांव की महिलाओं का कहना है कि यह राशि सरकार की बिहान योजना के तहत स्वरोजगार के लिए दी गई थी, जिससे वे छोटे व्यवसाय और आजीविका के कार्य चला रही थीं। अब यह गबन उनके लिए आर्थिक संकट का कारण बन गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपों की पुष्टि के लिए संबंधित बैंक से अभिलेख तलब किए जा रहे हैं और मनीषा निषाद से पूछताछ की तैयारी की जा रही है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

भिलाई-दुर्ग में एक ही दिन 2 चेन स्नेचिंगःफूल-तोड़ रही महिला का चेन छीना,पता पूछने के बहाने चैन स्नेचिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में चाकूबाजी, हत्या और ठगी के अलावा अब चेन स्नेचिंग की घटनाएं भी शुरू हो गई है। 5 नवंबर को भिलाई और दुर्ग में दोनों ही जगह चेन स्नेचिंग की घटना हुई है। पहली घटना भिलाई की है जहां घर में फूल तोड़ रही महिला का सोने की चेन छिन कर आरोपी भाग गए। वहीं दूसरी घटना दुर्ग की है जहां मॉर्निंग वॉक कर रही महिला से आरोपियों ने रास्ता पूछा फिर गले से सोने की चेन खींचकर भाग गए है। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अपराध दर्ज कर आरोपियों की खोजबीन शुरू कर दी है। मामला मोहन नगर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार 5 नवंबर की सुबह करीब 6:40 बजे एक गृहणी से उसके ही घर के बाहर सोने की चैन झपटकर एक अज्ञात बदमाश फरार हो गया।

घटना उस समय हुई जब महिला अपने घर की बाउंड्रीवाल के अंदर रोज की तरह गुड़हल के फूल तोड़ रही थी। पीड़िता ने बताया कि वह 5 नवंबर की सुबह फूल तोड़ रही थी। तभी एक अज्ञात व्यक्ति स्कूटी लेकर उनके घर के सामने रुका और अचानक तेजी से अंदर आकर उनके गले में पहनी हुई करीब दो तोले की सोने की चेन, जिसमें एक लॉकेट लगा था, झपटकर भाग गया। चेन की कीमत लगभग 40 हजार रुपए बताई जा रही है। महिला ने बताया कि उन्होंने तुरंत शोर मचाया और भागते बदमाश के

पीछे दौड़ीं, लेकिन वह व्यक्ति अपनी स्कूटी से तेजी से निकल गया। घटना इतनी अचानक हुई कि महिला स्कूटी का नंबर नहीं देख सकीं। पीड़िता ने बताया कि वारदात की जानकारी उन्होंने अपने पति रमाकांत शर्मा और पड़ोसी मुरली को दी, जिसके बाद सभी ने आसपास तलाश की, लेकिन आरोपी का कुछ पता नहीं चला।

सूचना मिलने के बाद महिला थाने पहुंची और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से स्कूटी और आरोपी की पहचान की जा रही है।

दुर्ग में पता पूछने के बहाने चैन स्नेचिंग

मोहन नगर थाना क्षेत्र के सिंधिया नगर इलाके में सुबह की सैर पर निकली एक महिला के गले से अज्ञात युवक ने सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गया। महिला रोज की तरह 5 नवंबर की सुबह करीब 5.45 बजे मॉर्निंग वॉक के लिए निकली थीं। करीब 6.30 बजे जब वह लौटकर अपने घर की ओर जा रही थीं और सिंधिया नगर स्थित डॉ. तमेर के घर के सामने पहुंचीं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल से उनके पास आकर रुका।

उसने महिला से किसी उषा नाम की महिला का घर पूछते हुए रास्ता जानना चाहा। महिला जैसे ही दिशा बताने के लिए मुड़ीं, तभी उस व्यक्ति ने उनके गले में पहनी करीब दो तोला वजनी सोने की पुरानी चेन झपट ली और तेजी से बाइक स्टार्ट कर फरार हो गया। वारदात इतनी अचानक हुई कि महिला आरोपी का चेहरा ठीक से देख नहीं पाईं।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

दुर्ग और भिलाई में हुई चेन स्नेचिंग के मामले में पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। दोनों ही मामले में अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी की शिकायत पर मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपी की पहचान की जा सके। पुलिस अब इन सुरागों के आधार पर भी जांच कर रही है।

सुकमा में नाबालिक ने लगाई फांसी, परिवार में पसरा मातम

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में एक नाबालिक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। यह घटना बीती रात की बताई जा रही है। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस अब मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है। सुकमा थाना प्रभारी शिवानंद ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले एक नाबालिक ने अज्ञात कारणों से घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब पिता ने बेटे को बुलाने के लिए दरवाजा खोला, तो वह फंदे पर लटका मिला।

कोरबा में दो ट्रकों की आमने-सामने भिड़ंत, एक चालक की मौके पर मौत, दूसरा गंभीर घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। जिले के अंतिम क्षेत्र पसान मुख्य मार्ग पर दो ट्रकों के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर में एक ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि दूसरा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटना स्थल पर भारी भीड़ जुट गई और कुछ समय के लिए सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ट्रक में कोयला लोड था जो दीपका खदान से मध्य प्रदेश के लिए रवाना हुआ था। रास्ते में पसान मुख्य मार्ग पर सामने से आ रही एक ट्रेलर वाहन से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक ट्रक का चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उसे बाहर निकाला गया और जिला मेडिकल कॉलेज कोरबा भेजा गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। दूसरे ट्रक का चालक घायल हो गया है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसका उपचार जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों ही वाहन तेज रफ्तार में थे, जिससे आमने-सामने की भिड़ंत टल नहीं सकी। मृत चालक की पहचान दल प्रताप सिंह (30 वर्ष), निवासी खड़गनवा, जिला कोरिया के रूप में हुई है। वह एक निजी कंपनी में ट्रक ड्राइवर के रूप में कार्यरत था और दीपका से कोयला लेकर एमपी जा रहा था। जिला अस्पताल चौकी प्रभारी विश्व नारायण चौहान ने बताया कि मेडिकल कॉलेज से मिले मेमो के आधार पर बयान दर्ज किया गया है। मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे और प्रारंभिक जानकारी दी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। मृत चालक विवाहित था और शादी को चार वर्ष हो चुके हैं, हालांकि अभी संतान नहीं थी। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के कंपनी के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, अज्ञात वाहन की टक्कर से फट गया सिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

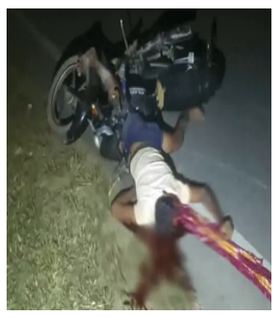

सरगुजा। जिले में 5 नवंबर को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसा उदयपुर में हुआ, जहां अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक ने दम तोड़ दिया। घटना के दौरान बैसाखू ने हेलमेट नहीं पहना था। जिस युवक की मौत हुए उसका सिर सड़क पर घसीटता चला गया। सिर फटने से उसकी जान गई। मिली जानकारी के मुताबिक, उदयपुर-रामगढ़ मुख्य मार्ग में बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने तेज रफ्तार में टक्कर मार दी।

बाइक सवार युवक शाम करीब 7 बजे उदयपुर से वापस अपने घर ग्राम पलका लौट रहा था। बैगापारा ग्राउंड के पास उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक सड़क पर गिर गया। सिर में आई गंभीर चोट के कारण उसकी मौके पर मौत हो गई।

घटना की सूचना पर उदयपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को हॉस्पिटल पहुंचाया। युवक की शिनाख्त ग्राम पलका निवासी बैसाखू राम (42 साल) के रूप में हुई है।

बिलासपुर ट्रेन हादसा, अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में हुई ट्रेन दुर्घटना के संबंध में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ लापरवाही से मौत और दूसरों की जान को खतरे में डालने का मामला दर्ज किया गया है। दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

तोरवा के थाना प्रभारी अभय सिंह बैस ने बताया कि रेलवे के एक अधिकारी से प्राप्त ज्ञापन के आधार पर तोरवा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएसएन) की धारा 106 (1) (लापरवाही से मौत का कारण बनना), 125 (ए) (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य) और रेलवे अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आगे की जाँच जारी है। रेलवे सुरक्षा आयुक्त बीके मिश्रा बिलासपुर पहुंचे

इस बीच, रेलवे अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को हुई दुर्घटना की जांच के लिए रेलवे सुरक्षा आयुक्त बीके मिश्रा बिलासपुर पहुंचे।

बिलासपुर स्टेशन के निकट कथित तौर पर लाल सिग्नल पार करने के बाद एक मेमू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) यात्री ट्रेन ने एक खड़ी मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे छह महिलाओं सहित 11 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए।

यह दुर्घटना व्यस्त मुंबई-हावड़ा रेलखंड पर बिलासपुर और गतोरा स्टेशनों के बीच शाम लगभग 4 बजे हुई, जब यात्री ट्रेन गेवरा रोड से बिलासपुर जा रही थी। मृतकों में यात्री ट्रेन के लोको पायलट विद्या सागर (53) भी शामिल हैं। 20 घायलों में नौ महिलाएं और एक दो साल का बच्चा शामिल है। उन्होंने बताया कि यात्री ट्रेन की सहायक लोको पायलट रश्मि राज (34), उसके प्रबंधक (गार्ड) अशोक कुमार दीक्षित (54) और मालगाड़ी के गार्ड शैलेश चंद्र (49) अस्पताल में भर्ती हैं।

60 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से मारी टक्कर

एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने कहा कि लाल सिग्नल पार करने के बाद यात्री ट्रेन ने खड़ी मालगाड़ी को 60 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पीछे से टक्कर मार दी।

अधिकारी ने बताया कि मालगाड़ी का प्रबंधक (गार्ड) ब्रेक वैन - मालगाड़ी के आखिरी डिब्बे से कूद गया और उसे मामूली चोटें आईं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि रेलवे अधिकारियों ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है, जबकि मामूली रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

छत्तीसगढ़ शासन सत्यमेव जयते

सतत् प्रगति पथ पर
छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

बस्तर में बदलाव की बयार

- बस्तर में नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार
- बस्तर में 24,000 करोड़ का निवेश विकास की नई उड़ान
- जांगला (बीजापुर) देश का पहला हेल्थ वेलनेस सेंटर, आयुष्मान भारत की सौगात
- नगरनार स्टील प्लांट राष्ट्र को समर्पित
- रावघाट जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना से विकास को नई रफ्तार
- 50,000 करोड़ की बोधघाट बहुउद्देशीय परियोजना बिजली, सिंचाई, रोजगार और पेयजल का मिलेगा लाभ

महिलाओं का सम्मान

- 70 लाख माताओं-बहनों को महतारी वंदन योजना का लाभ
- 36 लाख महिलाओं को उज्जवला गैस कनेक्शन
- आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार के लिए सभी पंचायत में 'महतारी सदन' का निर्माण

बेहतर भविष्य की आधारशिला

- राजधानी रायपुर में एशिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित जंगल सफारी
- भिलाई इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण व आईआईटी भिलाई की आधारशिला
- 30 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता का विकास
- 32 हजार मेगावाट क्षमता के बिजली घरों के लिए एमओयू

कृषक कल्याण

- छत्तीसगढ़ के किसानों को धान का सर्वाधिक दाम
- 20 माह में 1.25 लाख करोड़ सीधे किसानों के खाते में
- 26 लाख किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि

आवास और सामाजिक सुरक्षा

- 26 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास
- 40 लाख से अधिक परिवारों को स्वच्छ पेयजल
- राज्य के शत्-प्रतिशत् गांवों का विद्युतीकरण
- खनिज क्षेत्रों में विकास हेतु डीएमएफ फंड की सौगात

सुगम आवागमन

- 47,000 करोड़ की रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन
- 32 रेल्वे स्टेशनों का वर्ल्ड क्लास उन्नयन
- 40 हजार करोड़ से अधिक लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास
- रायपुर-विशाखापट्टनम एवं रायपुर-रांची-धनबाद एक्सप्रेस-वे
- जगदलपुर-रायपुर व अंबिकापुर-रायपुर हवाई सेवा प्रारंभ

जनजातीय सशक्तिकरण

- पीएम जनमन योजना 59 हजार परिवार लाभान्वित व 2,449 किमी सड़कें स्वीकृत
- धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान 6,691 ग्राम लाभान्वित

RO-45320/3

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950